RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023

नागपुर, रविवार, 26 जनवरी 2025 / अंक 105/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

76वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

BCN GROUP

फिर से आई भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट

> विदेशी मुद्रा भंडार क्यों जरूरी ?

नई दिल्ली.

भारतीय रिजर्व बैंक ने यह जानकारी दी कि खत्म हुए सप्ताह तक भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 1.88 बिलियन अमेरिकी डॉलर घटकर 623.983 बिलियन अमेरिकी डॉलर रह गया. इससे पहले रिजर्व बैंक ने कहा था कि 10 जनवरी को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 8.714 बिलियन अमेरिकी डॉलर घटकर 625.871 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है. भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट का रूख पिछले कुछ हफ्तों से जारी है. इस गिरावट के पीछे वजह रुपये में उतार-चढ़ाव को कम करने के लिए विदेशी मुद्रा बाजार में आरबीआई का हस्तक्षेप करना

और इसके साथ-साथ भारतीय करेंसी के वैल्यू में गिरावट भी है. सितंबर के अंत में देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 704.885 बिलियन अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था.शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 17 जनवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान मुद्रा भंडार का एक प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 2.878 बिलियन अमेरिकी डॉलर घटकर 533.133 बिलियन अमेरिकी डॉलर रह गईं. बता दें कि विदेशी मुद्रा भंडार में डॉलर टर्म में बताए जाने वाले फॉरेन करेंसी एसेट्स में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी नॉन-अमेरिकन करेंसी की घट-बढ़ का असर शामिल होता है.

विदेशी मुद्रा भंडार किसी भी देश के लिए बहुत जरूरी है क्योंकि जब हम दूसरे देश से किसी वस्तु का आयात कराते हैं, तो भुगतान के लिए हमें उस देश की करेंसी की जरूरत पड़ती है. विदेशी मुद्रा भंडार कम होने से देश की अर्थव्यवस्था भी कमजोर होने लगती है क्योंकि इससे खरीदारी के बिल का भुगतान करने में परेशानी आती है. जब डॉलर के मुकाबले किसी देश की मुद्रा कमजोर होने लगती है, तो वह देश अपनी करेंसी को संभालने के लिए विदेशी मुद्रा भंडार से खर्च करने लगता है. अधिकतर देश विदेशी मुद्रा भंडार में डॉलर को ज़्यादा रखना पसंद करते हैं क्योंकि अधिकतर ट्रेडिंग इसी में होती है.

भारत का गोल्ड रिजर्व बढ़ा

इस बीच देश का गोल्ड रिजर्व 1.063 मिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 68.947 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है. इसी के साथ-साथ विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 17.782 बिलियन अमेरिकी डॉलर पर रहा है. रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, समीक्षाधीन सप्ताह यानी 17 जनवरी को खत्म हफ्ते में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 40 लाख डॉलर घटकर 4.19 अरब डॉलर रह गया है.

तेंदुलकर फाउंडेशन ने युवाओं को किया जागरूक

मुंबई.

सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन (एसटीएफ) ने वंचितों और जरूरतमंदों की सेवा के अपने आधे दशक के सफर को 22 जनवरी 2025 को मुंबई के बॉम्बे क्लब में आयोजित एक भव्य समारोह में मनाया। इस अवसर पर दोस्तों, परिवार, शुभचिंतकों और गैर-लाभकारी भागीदारों का आभार और श्रद्धांजलि फाउंडेशन के कार्य को और भी खास बना दिया। एसटीएफ ने बच्चों के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा और खेल के क्षेत्रों में बेहतर जीवन सुनिश्चित करने के अपने संकल्प को पुनः पुष्ट किया। समारोह की थीम 'एक साथ चमकें' ने फाउंडेशन के जीवन को प्रभावित करने के मूल विचार पर जोर दिया, जो विशेष रूप से खेल, स्वास्थ्य और शिक्षा के माध्यम से बच्चों की प्रगति को लेकर है। इस अवसर पर सारा तेंदुलकर ने एसटीएफ के निदेशक के रूप में अपनी पहली आधिकारिक भागीदारी निभाई। सारा ने कहा, "बड़े होते हुए, मैंने हमेशा अपने परिवार से प्रेरणा ली, जिसने मुझे देने की शक्ति और सामर्थ्य की समझ दी। फाउंडेशन का काम देखकर, मुझे यह महसूस हुआ कि हम न केवल बच्चों, बल्कि पूरे परिवारों के जीवन में रोशनी ला रहे हैं। पिछले पाँच वर्षों में, सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन ने एक लाख से अधिक युवाओं के जीवन को छुआ है, और यह यात्रा चलती रहेगी। समारोह में एसटीएफ के साथ सहयोग कर रहे 15 से अधिक एनजीओ भागीदारों द्वारा किए गए कार्यों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कोल्डप्ले के क्रिस मार्टिन ने भी भाग लिया और सचिन तेंदुलकर के साथ मंच पर बातचीत की। सचिन तेंदुलकर ने इस बारे में कहा, "जब मैंने आखिरी बार पवेलियन की ओर रुख किया, तो मुझे महसूस हुआ कि मेरी पारी अभी खत्म नहीं हुई है। अंजलि और मेरा यह सपना था कि हम वंचितों के लिए कुछ ऐसा करें, जिससे उनका जीवन सरल हो और युवा सपने देखने वालों को अपना विश्वास और उड़ान भरने की शक्ति मिले।

भारतीय बाजार छोड़कर भाग रहे हैं विदेशी निवेशक

नई दिल्ली.

भारत के टूटते शेयर बाजार और धड़ाम होते रुपये की कीमत के बीच विदेशी निवेशकों में भारत से निकलने की होड़ मची है. इस भगदड़ में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने हफ्ते भर में ही 19,759 करोड़ के शेयरों की बिकवाली कर डाली है. 20 जनवरी से 24 जनवरी के बीच हुए भारतीय शेयर बाजार से इतने के शेयर के पैसे बटोरकर विदेशी निवेशक वापस हो गए हैं. एनएसडीएल के डाटा से इसका पता चलता है. जनवरी महीने में भी अभी तक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक 64,156 करोड़ रुपये निकाल चुके हैं. इसके बाद भी विदेशी निवेशकों की भारतीय शेयर बाजारों से पैसा निकालने की गति अभी थमी नहीं है.

विदेशी निवेशकों की भारतीय शेयर बाजार में इस तरह बिकवाली

कर भागने को डोनाल्ड ट्रंप की वापसी से जोड़कर देखा जा रहा है. इसने अमेरिकन इकोनॉमी में निवेशकों का भरोसा बढ़ा दिया है.

डोनाल्ड ट्रंप के औसत अमेरिकी के जीवन में सुधार के वादों ने अमेरिका को निवेश का अधिक पसंदीदा ठिकाना बना दिया है. अमेरिका के ट्रेजरी बांड के इंट्रेस्ट रेट बढ़ने और यूएस डॉलर की मजबूती के कारण भी फंड की वापसी अमेरिका की ओर होने लगी है. इस कारण भारत जैसे उभरते बाजारों से वैश्विक निवेशकों का पैसा निकालना अपील कर रहा है. क्योंकि रुपये के कमजोर होने के कारण हायर वैल्यूएशन और स्लो ग्रोथ विदेशी निवेशकों को भारतीय बाजार से वापसी के लिए विवश कर रहा है. इसने इंडियन इकोनॉमी के लिए बड़े पैमाने पर चिंता बढ़ा दी है. अगर ग्लोबल फैक्टर के कारण विदेशी निवेशकों का रुख इसी तरह बना रहा तो भारतीय निवेशक भी अमेरिकन इकोनॉमी या दूसरी बड़ी इकोनॉमी के विकास की ओर निवेश के लिए झांकने को मजबूर हो जाएंगे.

कई शहरों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमी

नई दिल्ली :

अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण के बाद से इंटरनेशनल मार्केट में उतार-चढ़ाव का दौर जारी है। जहां एक ओर भारत समेत दुनिया के बाकी शेयर बाजार में गिरावट दिखायी दे रही है, तो वही दूसरी ओर कच्चे तेल की कीमतों में भी बदलाव देखने को मिल रहा है। पिछले 20 घंटों के अंदर कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। ब्रेंट क्रूड का दाम गिरकर 78.29 डॉलर प्रति बैरल पहुंचा है। हालांकि डब्ल्यूटीआई का भाव भी बढ़त के साथ 74.27 डॉलर प्रति बैरल तक हो गया है। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज किए जाने के बाद आज भारत के कई शहरों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमी आयी है। हालांकि दिल्ली और मुंबई जैसे देश के 4 महानगरों में आज भी तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं आया है। सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी नए भाव के अनुसार, आज हरियाणा की राजधानी गुरुग्राम में आज पेट्रोल 18 पैसे सस्ता हो गया है और ये 94.99 रुपये प्रति लीटर के भाव से बिक रहा है। डीजल की कीमतें भी 18 पैसे गिरी है और ये गिरकर 87.84 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गई है।साथ

ही बिहार की राजधानी पटना में भी पेट्रोल की कीमतें सस्ती हुई है और ये सस्ती होकर 105.23 रुपये प्रति लीटर तक हो गई है। इसके अलावा डीजल के भाव में भी 33 पैसे की गिरावट आयी है और ये 102.09 प्रति लीटर के भाव से बिक रहा है। राजस्थान की राजधानी जयपुर में आज पेट्रोल की कीमत 19 पैसे चढ़कर 104.91 प्रति लीटर पर पहुंच गई है, जबकि डीजल 17 पैसे महंगा होकर 90.21 रुपये प्रति लीटर के भाव से बिक रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 96.65 प्रति लीटर और डीजल की कीमत 89.82 रुपये प्रति लीटर हो गयी है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 106.31 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 94.27 रुपये प्रति लीटर के भाव से बिक रहा है। चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर के भाव से बिक रहा है। कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर के भाव से बिक रहा है।

सैमसंग ने लॉन्च की गैलेक्सी एस 25 सीरीज

बेंगलुरु.

सैमसंग ने आज अपने नवीनतम गैलेक्सी एस 25 अल्ट्रा, गैलेक्सी एस25+ और गैलेक्सी एस 25 स्मार्टफोन को लॉन्च कर दिया, जो सैमसंग के अब तक के सबसे नेचुरल और कॉन्टेक्स्ट-अवेयर मोबाइल अनुभवों के साथ एक वास्तविक एआई सहयोगी के रूप में नए मानक को स्थापित करता है। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स में मोबाइल एक्सपीरिएंस बिजनेस के हेड और प्रेसिडेंट टी एम रो ने कहा, "सबसे बेहतरीन इनोवेशन यूजर्स के अनुभव का प्रतिबिंब होता है और यही वजह है कि हमने गैलेक्सी एआई विकसित किया है ताकि हर कोई अपने डिवाइस के साथ अधिक स्वाभाविक और सहजता से बातचीत कर सके और यह भरोसा रख सके कि उनकी निजता सुरक्षित है।" उन्होंने कहा, "गैलेक्सी एस 25 सीरीज एआई-एकीकृत ओएस की तरफ लेकर जाती है, जो टेक्नोलॉजी का उपयोग करने के तरीके और हम अपना जीवन कैसे जीते है, को लेकर हमारे नजरिए को बदल देता है।गैलेक्सी एस 25 सीरीज वन यूआई 7 के साथ आने वाला पहला स्मार्टफोन है, जो

सैमसंग का एआई-फर्स्ट प्लेटफॉर्म है। इसे सबसे सहज नियंत्रण प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो एआई-संचालित व्यक्तिगत मोबाइल अनुभव को सक्षम बनाता है। मल्टी मॉडल क्षमताओं वाले एआई एजेंट गैलेक्सी एस 25 को टेक्स्ट, स्पीच, इमेज और वीडियो को इंटरप्रेट करने में सक्षम बनाते हैं, जिससे बातचीत स्वाभाविक लगती है।

गैलेक्सी एस 25 नैचुरल लैंग्वेज समझने में भी एक बड़ी सफलता है, जिससे रोजाना की बातचीत आसान हो जाती है।गैलेक्सी एस 25 सीरीज संचार, उत्पादकता और रचनात्मकता के लिए गैलेक्सी एआई के लोकप्रिय टूल में कई अपग्रेड लाती है, जिसमें गूगल का सर्किल टू सर्च, कॉल ट्रांसक्रिप्ट, राइटिंग असिस्ट और ड्रॉइंग असिस्ट शामिल है। गैलेक्सी एस 25 सीरीज के साथ, आप अगले चरणों के लिए कॉन्टैक्ट-अवेयर सुझावों के साथ एक्शनेबल सर्च भी कर सकते हैं। इसके अलावा, गैलेक्सी एस 25 क्विक फॉलो-अप के लिए ऐप्स के बीच स्विच करना आसान बनाता है, जिसमें जीआईएफ साझा करना या इवेंट डिटेल्स को साझा करना शामिल है। गैलेक्सी एस 25 सीरीज पर्सनलाइज्ड एआई फीचर्स के लिए पर्सनल डेटा इंजन के साथ आती है। सभी निजी डेटा को नॉक्स वॉल्ट द्वारा प्राइवेट और सुरक्षित रखा जाता है। गैलेक्सी एस 25 में पोस्ट-क्वांटम क्रिप्टोग्राफी की सुविधा भी दी गई है, जो व्यक्तिगत डेटा को उभरते खतरों से सुरक्षित रखती है, जिसके क्वांटम कंप्यूटिंग के विकास के साथ बढ़ने की संभावना है। गैलेक्सी एस 25 श्रृंखला गैलेक्सी के लिए स्नैपड्रैगन 8 एलीट द्वारा संचालित है - जो गैलेक्सी एस सीरीज पर अब तक का सबसे शक्तिशाली प्रोसेसर है। गैलेक्सी एस 25 सीरीज उच्च रिज़ॉल्यूशन सेंसर और प्रोविज़ुअल इंजन के साथ हर रेंज में अल्ट्रा-विस्तृत शॉट प्रदान करती है, जो मोबाइल फोटोग्राफी के लिए एक नया मानक स्थापित करती है।

डीए कैलकुलेशन में होने जा रहा है ये बड़ा बदलाव

नई दिल्ली.

केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों और श्रमिकों के परिसंघ ने सरकार से कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए महंगाई भत्ते यानी डीए कैलकुलेशन के फॉर्मूले को बदलने की मांग की है। जिससे हर 3 महीने में महंगाई के हिसाब से भत्ता मिल सके। यूनियन कैबिनेट सेक्रेट्री को लिखे एक पत्र में श्रमिक परिसंघ के महासचिव एस बी यादव ने कर्मचारियों और रिटायर्ड कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते यानी डीए और महंगाई राहत यानी डीआर के कैलकुलेशन में सुधार करने का आग्रह किया है। श्रमिक परिसंघ के द्वारा लिखे गए इस पत्र में अलग-अलग

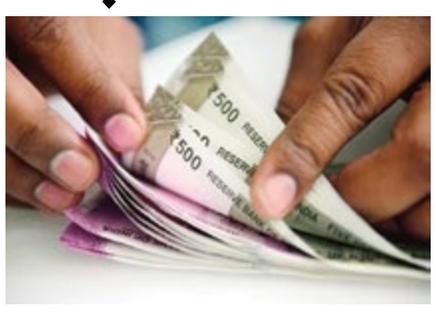

विभागों में काम करने वाले सरकारी कर्मचारियों के डीए कैलकुलेशन के तरीके में असमानता का उल्लेख किया गया है। सरकारी बैंकों समेत अन्य पब्लिक सेक्टर यूनिट्स में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए डीए कैलकुलेशन का फॉर्मूला केंद्र सरकार के बाकी डिपार्टमेंट में काम करने वाले कर्मचारियों के डीए कैलकुलेशन से काफी अलग है। श्रमिक परिसंघ ने ये भी सुझाव दिया है कि 12 महीने के औसत को 3 महीने के औसत से रिप्लेस किया जाना चाहिए। जिसका सीधा मतलब है कि महंगाई भत्ते में बदलाव लाना चाहिए जिससे पब्लिक सेक्टर और बैंकों में काम करने वाले कर्मचारियों की ही तरह बाकी विभागों के कर्मचारियों को भी हर 3 महीने में वास्तविक प्राइस हाइक के अनुसार मुआवजा मिलता रहे।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में छाया भारत का जादू

> हासिल किया 20 लाख करोड़ का निवेश

नई दिल्ली.

हाल ही में स्विट्जरलैंड के दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की 5 दिवसीय सालाना बैठक खत्म हुई। इस दौरान भारत ने ग्लोबल उद्यमियों से 20 लाख करोड़ रूपये से ज्यादा की निवेश प्रतिबद्धताएं प्राप्त करने में सफल रहा जिसमें अकेले महाराष्ट्र की तकरीबन 80 प्रतिशत हिस्सेदारी रही है। इस आंकडें को देखकर इस फोरम में मौजूद दुनिया के बाकी 130 देश भी काफी हैरान रह गए।किसी भी देश के लिए निवेश का इतना बड़ा आंकड़ा काफी कम ही देखने के लिए मिलता है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 5 केंद्रीय मंत्रियों और 3 राज्यों के मुख्यमंत्रियों सहित अब तक के सबसे बड़े भारतीय प्रतिनिधिमंडल का इस मीटिंग में नेतृत्व किया ।

अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि विश्वास और टैलेंट दुनिया को भारत की ओर आकर्षित करने वाले सबसे बड़े कारकों में से एक हैं। सभी राज्यों और केंद्र सरकार के विभागों ने पहली

बार दावोस मीटिंग में 2 भारत मंडपों में जगह शेयर की। इसके अलावा पहली बार राज्य और केंद्रीय मंत्रियों ने ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। करीब 6 दलों से आए मंत्रियों ने 1 एकीकृत टीम इंडिया का चेहरा पेश किया।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि हम अपने ग्लोबल जियो पॉलिटिकल और जियो इकोनॉमिकल वातावरण में दावोस में एक अहम मोड़ पर है। दुनिया के सामने आने वाले परेशानियों और सभी मुद्दों के बाद भारत एक बहुत ही भरोसेमंद देश के रूप में उभरा है और यहां लोकतंत्र आज भी जिंदा है। उन्होंने कहा कि हमने दुनिया को ये साफ तौर पर दिखा दिया है कि हर हालात में, ये वो देश है जो शांति, सबकी ग्रोथ और समावेशी विकास में विश्वास करता है। एक्टिव कंपनी यूनिलीवर ने तेलंगाना में 2 नई मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट्स स्थापित करने की योजना का ऐलान किया। कई और ग्लोबल कंपनियों ने भारतीय कंपनियों के साथ पार्टनरशिप की संभावनाएं खोजी है, जिनका प्रतिनिधित्व भारत के 100 से भी ज्यादा मुख्य कार्यपालक अधिकारियों यानी सीईओ और बाकी टॉप लीडर्स ने किया है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की अगली सालाना बैठक 19 से 23 फरवरी 2026 में दावोस में ही होने वाली है।

माइक्रो फाइनेंस कंपनियों को मिल सकता है तोहफा

नई दिल्ली.

आगामी बजट को लेकर माइक्रो फाइनेंस कंपनियों ने भारत सरकार से काफी उम्मीदें लगा रखी हैं. क्योंकि लो इनकम ग्रुप को कोलेटरल फ्री लोन यही कंपनियां उपलब्ध कराती हैं. ये कंपनियां बॉटम लाइन में लिक्विडिटी बनाने में काफी मददगार होती हैं. आम बजट 2025 में भारत सरकार माइक्रो फाइनेंस कंपनियों के लिए स्पेशल फंड का एलान कर सकती है. रिजर्व बैंक समेत कई एजेंसियों की हाल में आई रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत का माइक्रो फाइनेंस सेक्टर संकट में है. माइक्रो फाइनेंस कंपनियों के दिए लोन के डूबने का रेशियो बढ़ गया है. इस कारण इन कंपनियों के मुनाफे कम हो रहे हैं, जो आगे घाटे के स्तर पर जाकर फाइनेंस सेक्टर में भूचाल ला सकते हैं. क्योंकि माइक्रो फाइनेंस कंपनियों ने भी बैंको से लोन ले रखी हैं. इस कारण माइक्रो फाइनेंस क्राइसिस का असर पूरे बैंकिंग सेक्टर पर भी पड़ सकता है.

बजट में भारत सरकार की ओर से उठाए जाने वाले संभावित कदम से स्मॉल और मिड साइज माइक्रो फाइनेंस कंपनियों के फायदे की उम्मीद

जताई जा रही है. बजट में माइक्रो फाइनेंस कंपनियों के लिए स्पेशल फंड का मकसद इस सेक्टर के अधिक से अधिक ग्रोथ के अलावा और भी कंपनियों की भागीदारी कराकर इनका विस्तार करना हो सकता है.

इसके लिए सरकार स्मॉल और मिड साइज माइक्रो फाइनेंस इंस्टीट्यूशंस को इक्विटी सपोर्ट दे सकती है. 2013 में ही भारत सरकार ने सिडबी के तहत 100 करोड़ के इंडिया माइक्रो फाइनेंस इक्विटी फंड की स्थापना की थी. लेकिन इसके साथ जुड़े शर्त माइक्रो फाइनेंस इंस्टीट्यूशंस को फंड ट्रांसफर करने में बाधक बन गए.

नए इक्विटी फंड की सरकार कर सकती है घोषणा

फाइनेंशियल एक्सप्रेस ने सूत्रों के हवाले से बताया कि माइक्रो फाइनेंस इंस्टीट्यूशंस को इक्विटी फंड ट्रांसफर करने में रियायत देने के लिए सरकार नए फंड की घोषणा भी कर सकती है. यह सिडबी या सिडबी की जगह नाबार्ड या किसी दूसरे इंस्टीट्यूशन के तहत भी हो सकता है.

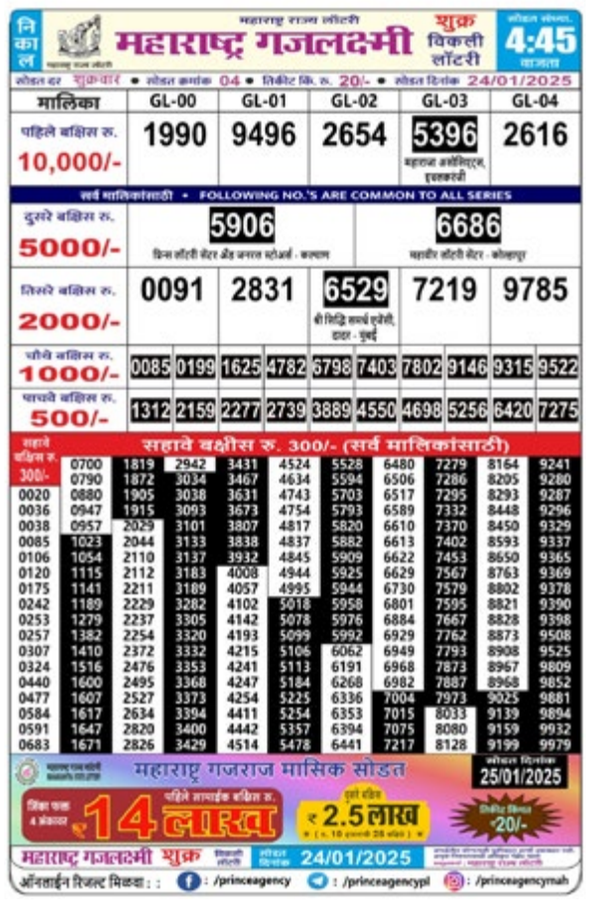

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023

नागपुर, रविवार, 26 जनवरी 2025 / अंक 105/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

76वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

BCN GROUP

अवकाश की सूचना

गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में रविवार दिनांक 26 जनवरी को नागपुर मेट्रो समाचार प्रेस तथा कार्यालय में अवकाश होने के कारण सोमवार दिनांक 27 जनवरी का अंक उपलब्ध नहीं हो सकेगा।

न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व हमारी विरासत का हिस्सा: राष्ट्रपति मुर्मू

'राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक भारत को कभी ज्ञान और बुद्धिमत्ता के स्रोत के रूप में जाना जाता था.'

नई दिल्ली.

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 76वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व की प्राचीनतम सभ्यताओं में शामिल भारत को ज्ञान और विवेक का उद्गम माना जाता था. लेकिन भारत को एक अंधकारमय दौर से गुजरना पड़ा. आज के दिन सबसे पहले हम उन सूर वीरों को याद करते हैं जिन्होंने मातृभूमि को विदेशी शासन की बेड़ियों से मुक्त करने के लिए बड़ी से बड़ी कुर्बानी दी. इस वर्ष, हम भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मना रहे हैं. वे ऐसे अग्रणी स्वाधीनता सेनानियों में शामिल हैं जिनकी भूमिका को राष्ट्रीय इतिहास के संदर्भ में अब समुचित महत्व दिया जा रहा है. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि वर्ष 1947 में हमने स्वाधीनता प्राप्त कर ली थी. लेकिन औपनिवेशिक मानसिकता के कई अवशेष लंबे समय तक विद्यमान रहे. हाल के दौर में, उस मानसिकता को बदलने के ठोस प्रयास हमें दिखाई दे रहे हैं. ऐसे प्रयासों में इंडियन पीनल कोड, क्रिमिनल प्रोसीजर कोड, और इंडियन एविडेंस एक्ट के स्थान पर भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को लागू करने का निर्णय सर्वाधिक उल्लेखनीय है.

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि हमारी सांस्कृतिक विरासत के साथ हमारा जुड़ाव और अधिक गहरा हुआ है. इस समय आयोजित हो रहे प्रयागराज महाकुंभ को उस समृद्ध विरासत की प्रभावी अभिव्यक्ति के रूप में देखा जा सकता है. हमारी परंपराओं और रीति-रिवाजों को संरक्षित करने और उनमें नई ऊर्जा का संचार करने के लिए संस्कृति के क्षेत्र में अनेक उत्साह-जनक प्रयास किए जा रहे हैं. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भारत के गणतांत्रिक मूल्यों का प्रतिबिंब हमारी संविधान सभा की संरचना में भी दिखाई देता है. उस सभा में देश के सभी हिस्सों और सभी समुदायों का प्रतिनिधित्व था. सबसे अधिक उल्लेखनीय बात यह है कि संविधान सभा में सरोजिनी नायडू, राजकुमारी अमृत कौर, सुचेता कृपलानी, हंसाबेन मेहता और मालती चौधरी जैसी 15 असाधारण महिलाएं भी शामिल थीं.

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को कहा कि भारत का बढ़ता आत्मविश्वास खेल के क्षेत्र में भी दिखाई दे रहा है जिसमें देश के एथलीटों ने 'कामयाबी की रोमांचक कहानियां' लिखी हैं. 76वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा कि खिलाड़ियों ने अपनी जीत की ललक से देश को गौरवान्वित किया है और अगली पीढ़ी को ऊंचे लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित किया है. उन्होंने कहा ,''एक राष्ट्र के रूप में हमारा बढ़ता आत्मविश्वास खेलों के क्षेत्र में भी दिखाई देता है जिसमें हमारे खिलाड़ियों ने कामयाबी की रोचक कहानियां लिखी है. पिछले साल हमारे खिलाड़ियों ने ओलंपिक खेलों में अपनी छाप छोड़ी. पैरालंपिक खेलों में हमने अपना अब तक का सबसे बड़ा दल भेजा, जो अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके लौटा.''

ट्रंप के ट्रेलर से चीन में हड़कंप

बीजिंग. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ट्रेलर से क्या वाकई चीन घबरा गया है, क्या बीजिंग को डर है कि ट्रंप पनामा नहर छीनने के साथ उसकी अन्य मुश्किलें भी बढ़ा सकते हैं? क्या चीन को इस बात का अंदाजा हो चुका है कि वह बाइडेन से अधिक आक्रामक होने के चलते कुछ भी कर सकते हैं, क्या ट्रंप के आने से वन चाइना पॉलिसी को खतरा है, जिसके तहत वह ताइवान जैसे देशों पर अपना दावा जमाता रहा है? आखिर कोई तो वजह है, जिससे ट्रंप के राष्ट्रपति बनते ही चीन में हड़कंप मच गया है। लिहाजा चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने खुद अपने अमेरिकी समकक्ष को फोन लगाकर काफी देर बातचीत की। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने अमेरिका के नए विदेश मंत्री मार्को रुबियो से फोन पर यह वार्ता शुक्रवार को की। चीन की ओर से दावा किया जा रहा है कि उसके विदेश मंत्री ने फोन पर वार्ता के दौरान मार्को रुबियो को दायरे में रहकर काम करने की पूर्व चेतावनी दी है। एपी ने चीनी विदेश मंत्रालय के बयान के आधार पर कहा कि वांग यी ने रुबियो से कहा, "मुझे उम्मीद है कि आप तदनुसार कार्य करेंगे।

भारत के साथ रक्षा, व्यापार में बढ़ावा

नई दिल्ली.

भारत-इंडोनेशिया ने रक्षा और व्यापार संबंधों को नई ऊंचाई देने का फैसला किया है। इसके साथ ही कई ऐसे फैसले लिये हैं, जो चीन की चिंता का कारण बन सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ व्यापक वार्ता की। दोनों देशों ने इस दौरान समग्र द्विपक्षीय संबंधों को रक्षा विनिर्माण एवं आपूर्ति श्रृंखला के क्षेत्रों में गति तेज करने के लिए संयुक्त रूप से काम करने पर सहमति जतायी। बता दें कि सुबियांतो भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं।

केंद्र सरकार ने घोषित किये 'पद्म पुरस्कार'

भीमसिंह भावेश, डॉक्टर नीरजा भटला, एथलीट हरविंदर सिंह जैसे नाम शामिल

नई दिल्ली.

केंद्र सरकार ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर शनिवार को पद्म पुरस्कार 2025 के विजेताओं की घोषणा कर दी है. देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक पद्म पुरस्कार तीन श्रेणियों में दिए जाते हैं - पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री. भीमसिंह भावेश, डॉक्टर नीरजा भटला, एथलीट हरविंदर सिंह को पदम पुरस्कार मिला है. यह पुरस्कार कला, सामाजिक कार्य, सार्वजनिक मामले, विज्ञान, इंजीनियरिंग, व्यापार, उद्योग, चिकित्सा, साहित्य, शिक्षा, खेल और सिविल सेवा जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में महान काम करने वालों को दिया जाता है.

गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि कुवैत की योग साधिका शेखा ए.जे. अल सबाह, उत्तराखंड के ट्रैवल ब्लॉगर दंपत्ति ह्यूग और कोलीन गैंटजर को पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा. मराठी लेखक मारुति भुजंगराव चितमपल्ली और भक्ति गायक भेरू सिंह चौहान, पत्रकार भीम सिंह भावेश, उपन्यासकार जगदीश जोशीला, सर्वाइकल कैंसर की वकालत करने वाली नीरजा भाटला और कुवैत की योग चिकित्सक शेखा ए जे अल सबा भी पद्म श्री पुरस्कार पाने वालों की लिस्ट में शामिल हैं. नागालैंड के फल किसान एल हैंगथिंग, पुडुचेरी के वादक पी दत्चानमूर्ति. मध्य प्रदेश के सामाजिक उद्यमी सैली होलकर और अन्य पद्म पुरस्कार विजेताओं की लिस्ट में शामिल हैं. विलास डांगरे, वेंकप्पा अंबाजी सुगातेकर, हरिमन शर्मा, जुमदे योमगाम गामलिन, नरेन गुरुंग और जगदीश जोशीला, बतूल बेगम, पंडि राम मंडावी, निर्मला देवी अन्य मशहूर हस्तियां हैं जिन्हें देश के तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री से सम्मानित किया जाएगा. जगदीश जोशीला: साहित्य एवं शिक्षा (निमाड़ी) मध्य प्रदेश. जोनास मसेटी: आध्यात्मिकता, ब्राजील के वेदांत गुरु., पी. दत्चनमूर्ति: कला (संगीत), थाविल, पुडुचेरी., नीरजा भाटला: मेडिसिन (स्त्री रोग), दिल्ली., शेखा ए जे अल सबा: चिकित्सा (योग) कुवैत., ह्यूग और कोलीन गैंट्ज़र: साहित्य और शिक्षा, यात्रा, उत्तराखंड., हरिमन शर्मा: कृषि, सेब, हिमाचल प्रदेश., नरेन गुरुंग: कला-गायन (लोक- नेपाली), सिक्किम., हरविंदर सिंह: खेल (दिव्यांग), तीरंदाजी, हरियाणा., विलास डांगरे: चिकित्सा, होम्योपैथी, महाराष्ट्र., भेरू सिंह चौहान: कला (गायन) निर्गुण, मध्य प्रदेश., जुमदे योमगाम गैमलिम: सामाजिक कार्य, अरुणाचल प्रदेश., एल हैंगथिंग: अन्य (कृषि) फल, नागालैंड., वेंकप्पा अम्बाजी सुगतेकर: आर्ट (वोकल्स) फोल्ड, गोंधली, कर्नाटक., भीम सिंह भावेश: सामाजिक कार्य, दलित, बिहार.

महाराष्ट्र अब 'उद्योग अनुकूल राज्य' बन गया: शिंदे

कोल्हापुर. महाराष्ट्र राज्य अब 'उद्योग मित्र राज्य' बन गया है तो विरोधियों के पेट में दर्द हो रहा है. वे सरकार की आलोचना केवल इसलिए नहीं कर रहे हैं क्योंकि उन्हें यह पसंद नहीं है। लेकिन उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि हम विपक्ष को जवाब न देकर अपने काम से जवाब देंगे. विधानसभा चुनाव में जीत के बाद शिंदे ने कोल्हापुर में अंबाबाई महालक्ष्मी के दर्शन किए। उन्होंने मराठा आरक्षण के मुद्दे पर भी अपना रुख स्पष्ट किया. शिंदे ने यह भी आरोप लगाया है कि महाविकास अघाड़ी के लोग आरक्षण के खिलाफ कोर्ट गए हैं. इस मौके पर मीडिया से बात करते हुए शिंदे ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस और उद्योग मंत्री उदय सामंत के मार्गदर्शन में इस साल दावोस में रिकॉर्ड संख्या में समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं. 15 लाख करोड़ से ज्यादा के कॉन्ट्रैक्ट साइन हो चुके हैं. इसमें लाखों लोगों को रोजगार मिलेगा. इसीलिए विरोधी गुटोंको राज्य बेहतर होना पसंद नहीं आ रहा। जब मैं दावोस गया था तो साढ़े सात लाख करोड़ के समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे. इसका क्रियान्वयन भी 70 से 80 फीसदी तक पहुंच चुका है. आप जानते हैं कि पहले अनुबंध कैसे बनाये और लागू किये जाते थे। लेकिन महागठबंधन के दौरान बड़ी मात्रा में विदेशी निवेश आया है. देश में कुल विदेशी निवेश का 52 फीसदी हिस्सा महाराष्ट्र में आया है. इसलिए एकनाथ शिंदे ने कहा है कि महाराष्ट्र अब 'उद्योग अनुकूल राज्य' बन गया है. उद्योग महाराष्ट्र की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

मुंबई हमले का दोषी तहव्वुर राणा भारत लाया जाएगा

नई दिल्ली. मुंबई हमले (26/11) के दोषी तहव्वुर राणा को जल्द भारत लाया जाएगा। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने भारत-अमेरिका प्रत्यर्पण संधि के तहत राणा के प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी है। तहव्वुर राणा को 2009 में एबीआई ने गिरफ्तार किया था। 13 नवंबर 2024 को राणा ने निचली अदालत के प्रत्यर्पण के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने 21 जनवरी को खारिज कर दिया था। राणा के पास प्रत्यर्पण से बचने का ये आखिरी मौका था। इससे पहले उसने सैन फ्रांसिस्को की एक अदालत में अपील की थी, जहां उसकी याचिका को खारिज कर दिया गया था। अमेरिकी अदालत ने अपने फैसले में कहा था कि दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण संधि के तहत उसे भारत भेजा जा सकता है।

गणतंत्र दिवस के मौके पर राष्ट्रपति पुलिस पदक की घोषणा

पुणे. गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति पुलिस पदक की घोषणा की गई है. कोल्हापुर क्षेत्र के विशेष पुलिस महानिरीक्षक सुनील फुलारी सहित राज्य के चार अधिकारियों को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया गया है। कोल्हापुर सेंट्रल जेल के अतिरिक्त अधीक्षक विवेक ज़ेंडे, जेल विभाग के उपाधीक्षक सुनील तांबे, सांगली जिला जेल के कांस्टेबल अहमद शम्सुद्दीन मनेर, तुलशीराम गोर्वे, यरवदा सेंट्रल जेल के कांस्टेबल गणेश गायकवाड़, दौलतराव जाधव जाधव जेल अधिकारी प्रशिक्षण कॉलेज के कांस्टेबल प्रह्लाद कुडाले गुणवत्ता सेवा के लिये राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया जाये गा.

आईजी दराड़े, सिंह और मीना समेत अन्य अधिकारी भी होंगे सम्मानित

पुलिस आयुक्त सिंगल को राष्ट्रपति पदक

नागपुर.

नागपुर शहर की कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ नेतृत्व प्रदान करने वाले पुलिस कमिश्नर (सीपी) रविंद्रकुमार सिंगल को उनके उत्कृष्ट और उल्लेखनीय योगदान के लिए राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया गया है। उनके साथ ही इस सूची में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) के उपअधीक्षक रोशन यादव समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारियों का नाम भी शामिल है। गणतंत्र दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में इन अधिकारियों को सम्मानित किया जाएगा। सीपी सिंगल को उनकी बहुआयामी सेवाओं के लिए यह गौरव प्राप्त हुआ है। उन्होंने नागपुर में कानून-व्यवस्था को नई दिशा दी। उनकी कम्युनिटी पुलिसिंग पहल, साइबर सुरक्षा जागरूकता, महिला सुरक्षा, ड्रग फ्री सिटी और यातायात नियंत्रण जैसे अभियानों ने शहर में सकारात्मक बदलाव लाए। सिंगल ने अपराधियों का डिजिटल डाटाबेस "सिंबा" तैयार करवाकर अपराधियों की कुंडली को महज एक क्लिक में उपलब्ध कराया। सीपी सिंगल के पिता दिल्ली पुलिस में कार्यरत थे। उनके इसी प्रेरणा से सिंगल ने भी पुलिस सेवा को चुना। 1996 बैच के आईपीएस अधिकारी सिंगल को नासिक में कुंभ मेले की कानून व्यवस्था संभालने के लिए डीजी पदक से सम्मानित किया गया था। इसके अलावा, उन्होंने 2005-2007 तक यूनाइटेड नेशन के कोसोवो मिशन में सेवा दी। फिटनेस के प्रति उनकी लगन ने उन्हें 50 वर्ष की आयु में "आयरन मैन ट्रायथलॉन" पूरी करने वाला एकमात्र अधिकारी बना दिया। राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान, सीपी सिंगल को पहले भी कई प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं। इनमें 2013 में उत्कृष्ट सेवा पदक, 2019 में महाराष्ट्र सरकार का विशेष सेवा पदक और 2020 में आंतरिक सुरक्षा सेवा पदक शामिल हैं। 2022 में उन्हें पेटा इंडिया के मानवी पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। उनकी उपलब्धियों और सेवाओं से विभाग के साथ ही परिवार भी गौरवान्वित है। रोशन यादव: नक्सल क्षेत्र से लेकर भ्रष्टाचार नियंत्रण तक अहम भूमिका, एंटी करप्शन ब्यूरो के उपअधीक्षक रोशन यादव को भी राष्ट्रपति पदक प्रदान किया गया है। यादव ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में अपनी साहसिक सेवाओं से ख्याति प्राप्त की है। उन्होंने मांगेझरी के दुर्गम जंगलों में नक्सलियों से मुठभेड़ कर उनकी सामग्री जब्त की। गड़चिरोली और गोंदिया जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में सेवा के दौरान उन्होंने नक्सलियों की तलाश और उनके नेटवर्क को तोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य किया। चंद्रपुर और नागपुर में एसीबी के हिस्से के रूप में भ्रष्टाचार के मामलों पर कड़ी कार्रवाई करने के लिए भी यादव ने पहचान बनाई। फुटबॉल खिलाड़ी रहे यादव ने कानून-व्यवस्था के साथ-साथ खेल के क्षेत्र में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है।

शहर के सपूत साखरे को भी मिलेगा राष्ट्रपति पदक

नागपुर के निवासी और वर्तमान में अमृतसर एयरपोर्ट के वरिष्ठ कमांडेंट तुषार डी. साखरे को भी राष्ट्रपति पुलिस पदक प्रदान किया जाएगा। साखरे ने सीआईएसएफ में अपने उत्कृष्ट सेवाकाल के दौरान कई अहम उपलब्धियां हासिल कीं। सतीलपुर में कोल माफियाओं के खिलाफ 11,814 छापेमारी कर 65,672 मीट्रिक टन कोयला जब्त करने जैसे बड़े अभियान उनके नेतृत्व में पूरे हुए। साखरे ने दो बार यूनाइटेड नेशन पीसकिपिंग मिशन में भाग लिया और देश का मान बढ़ाया। उन्हें यूनाइटेड नेशन मेडल और डीजी पदक से भी सम्मानित किया जा चुका है। पालकमंत्री के हाथों स्थानीय स्तर पर इन अधिकारियों को सम्मानित किया जाएगा। इसके बाद राज्यपाल द्वारा मुंबई में औपचारिक कार्यक्रम के दौरान पदक प्रदान किये जाएंगे। इन सभी अधिकारियों की उत्कृष्ट सेवाएं पुलिस विभाग के लिए प्रेरणा हैं। राष्ट्रपति पदक प्राप्त करने वाले इन वीर अधिकारियों के प्रयासों ने ना केवल नागपुर शहर बल्कि पूरे राज्य का गौरव बढ़ाया है।

सुविचार

"देशभक्ति वह दीप है, जो हर दिल में जलना चाहिए, क्योंकि यह दीप ही हर पीढ़ी को राह दिखाने का काम करता है।"

इमरान दाउदी (बिज़नेस हेड)

राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक गणतंत्र और हमारा कर्तव्य

❑ रोशनी होगी चिरागों को जलाए रखना, लहू देकर जिसकी हिफाजत हमने की ऐसे तिरंगे को सदा दिल में बसाए रखना. भारत का गणतंत्र दिवस हर साल 26 जनवरी को पूरे देश में गर्व और उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह दिन भारतीय लोकतंत्र और संविधान के गौरवशाली इतिहास को याद करने का अवसर है। गणतंत्र दिवस सिर्फ एक राष्ट्रीय पर्व नहीं, बल्कि यह दिन भारत की गौरवशाली परंपराओं और विविधता को सम्मान देने का प्रतीक है। यह हमें यह याद दिलाता है कि हमने आज जो स्वतंत्रता और लोकतंत्र प्राप्त किया है, उसे बनाए रखने और आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी हमारी है। हमें अपने संविधान की भावना को बनाए रखते हुए,

एकजुटता और सद्भाव के साथ भारत को विकास की ओर अग्रसर करना चाहिए। 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ था, और भारत एक संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य बना। 1947 में आजादी मिलने के बाद भारत को एक व्यवस्थित और स्वतंत्र शासन प्रणाली की आवश्यकता थी। 29 अगस्त 1947 को डॉ. भीमराव अंबेडकर की अध्यक्षता में संविधान सभा का गठन किया गया। करीब 2 साल, 11 महीने और 18 दिनों की मेहनत के बाद संविधान का मसौदा तैयार हुआ। इसे 26 नवंबर 1949 को स्वीकार किया गया और 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया। 26 जनवरी को चुनने का कारण यह था कि 1930 में इसी दिन भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने पूर्ण स्वराज की घोषणा की थी। गणतंत्र दिवस का मुख्य आयोजन राजधानी दिल्ली में राजपथ (अब कर्तव्य पथ) पर होता है। यह भव्य परेड भारत की सैन्य शक्ति, सांस्कृतिक विविधता और प्रगति को प्रदर्शित करती है। परेड में तीनों सेनाओं (थल, जल, वायु) की टुकड़ियाँ, झांकियाँ, नृत्य प्रदर्शन और झंडा फहराने का समारोह शामिल होता है।

राष्ट्रपति भारत के सर्वोच्च संवैधानिक प्रमुख के रूप में परेड की सलामी लेते हैं।इसके अलावा, पूरे देश में स्कूल, कॉलेज और कार्यालयों में झंडा फहराया जाता है। देशभक्ति गीत, नाटक, भाषण और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। गणतंत्र दिवस न केवल उत्सव का दिन है, बल्कि यह अपने अधिकारों और कर्तव्यों को समझने का भी अवसर है। भारतीय संविधान हमें समानता, स्वतंत्रता और न्याय का अधिकार देता है। इसके साथ ही यह हमें अपने देश के प्रति निष्ठावान और जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा भी देता है।

गणतंत्र दिवस और संवैधानिक अधिकार

डॉ.एम.ए.रशीद, नागपुर

❑ आज की अहमियत यह है कि जब 15 अगस्त 1947 को हमारा भारत देश अंग्रेज़ों के चंगुल से आज़ाद हुआ तो संविधान सभा ने 2 साल 11 महीने और 18 दिन में डॉ. भीमराव अम्बेडकर की अध्यक्षता में कानून बनाने के लिए एक "प्रारूप समिति" का गठन किया. 26 नवंबर 1949 को मसौदा तैयार किया गया और दो महीने बाद 26 जनवरी 1950 को वह लागू हुआ. संविधान लागू होने का दिन महत्वपूर्ण होने के कारण 26 जनवरी को पूरे देश में गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। इसलिए आज की 26 जनवरी का दिन हमारे देश के इतिहास में बहुत महत्वपूर्ण दिन कहलाता है इसी दिन हमारे देश में संविधान लागू होने पर वह एक स्वतंत्र और विशाल लोकतांत्रिक देश बन गया। महान बलिदानों के पश्चात हमने प्यारा देश भारत को प्राप्त किया है। इसीलिए उसे महत्वपूर्ण दिन का दर्जा देकर हम भारत वासी बड़े उत्साह से इसे मनाते हैं। प्रत्येक देशवासी इस बात पर भी बहुत ज़ोर देते हैं कि हम आज़ादी के लिए दिए गए बलिदानों को व्यर्थ नहीं जाने देंगे और देश के हर कोने की रक्षा करेंगे। इसीलिए प्रति वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर शासकीय, अर्धशतकीय, निजी स्कूल, कॉलेजों और इस्लामिक मदरसों के छात्र अपने शिक्षकों के साथ विशेष राष्ट्रीय कार्यक्रमों का आयोजन कर पर उस पर गर्व करते हैं. यहां सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराए जाते हैं और उसे सलामी दी जाती है.

घरों में बच्चे, जवान और बूढ़ों का उत्साह देखते ही बनता है. आवासीय क्षेत्रों, सांस्कृतिक संस्थानों और सामाजिक संगठनों द्वारा मनोरंजन कार्यक्रम भव्य तरीके से आयोजित किए जाते हैं।मस्जिदों में मौलवियों, इमामों

द्वारा नमाज़ों के पश्चात देश, कौम की तरक्की,खुशहाली,अमन शान्ति और सुरक्षा के लिए दुआएं मांगी जाती हैं। इस मौके पर यदि ध्यान दिलाया जाए तो हमारा देश भारत सूफी संतों और दरवेशों का देश है, जिन्होंने हमेशा शांति, सद्भाव और भाईचारे को बढ़ावा दिया है। आज भी हमें अपने बुजुर्गों द्वारा दिये गये आदर्शों एवं सिद्धांतों को अपने-अपने स्तर पर तधा अपने-अपने मानकों के अनुरूप अपनाने की आवश्यकता है।

हमारा भारत देश दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है और यह लोकतंत्र रंगीन संस्कृति पर आधारित है। यह देश हर धर्म, हर वर्ग,जाति और हर संस्कृति का स्रोत है, जिसकी नींव मानवता के आधार पर फूटती है और सदियों से भारत की गंगा-यमुना सभ्यता को यह सींचती रही है। शांति और सद्भावना का उदाहरण जो कि हमें अपने बुजुर्गों से विरासत में मिला है उसके हम उत्तराधिकारी हैं। हमें मानवता की शांति में हर पल आगे बढ़ना चाहिए. हमें मानवता, शांति , सद्भाव, आपसी भाईचारा और प्रेम के के संदेश को घर-घर फैलाने की आवश्यकता है. आज का दिन हमें बुजुर्गों और महान नेताओं के बलिदान की याद दिलाता है, हमारे बुजुर्गों ने आजादी और लोकतंत्र का जो सपना देखा था वह शर्मनाक तरीके से हमारे बीच संकट के बादलों की तरह मंडरा रहा है। बावजूद इसके हमारे सामने स्वतंत्रता, बंधुत्व और समानता का एक महान दृष्टिकोण है। इसे साकार करने के लिए देशवासियों को समान रूप से आगे बढ़ना चाहिए और एकजुटता की मिसाल दिखानी चाहिए. आज हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि हमारा देश आज विभिन्न समस्याओं से जूझ रहा है।

यह हमारे लिए चिंतन का पहलू है। निस्संदेह, हमने उग्र प्रतिरोध के बावजूद अपने गंगा, संघीय और लोकतांत्रिक चरित्र की दृढ़ता से रक्षा की है. हमारे देश ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, शिल्प, कृषि, परिवहन, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, लेकिन असमानता, बेरोजगारी, पिछड़ापन एवं अशिक्षा आदि का राक्षस सिर पर खड़ा है। एक हमारे लोकतांत्रिक देश में देशवासियों के पास विभिन्न प्रकार के अधिकार हैं, उदाहरण के लिए उनमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, अपने धर्म पर क़ायम रहने का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, वोट देने का अधिकार, विवाह करने का अधिकार और वह कई अन्य प्रकार के अधिकार देता है यह संविधान सरकार के लोकतांत्रिक स्वरूप को तानाशाही से अलग करता है, एक धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक देश बनाता है जहां लोगों के लिए न्याय, समानता और स्वतंत्रता सुनिश्चित की जाती है. भारत एक संवैधानिक, संसदीय, सांप्रदायिक, धर्मनिरपेक्ष गणराज्य के तहत उसकी बागडोर सीधे जनता के हाथ में होती है. यही वजह है कि हमारे देश की सरकार लोकतांत्रिक प्रणाली के तहत ही संचालित होती है. संविधान के मूल स्वरूप को जीवित रखा जाना चाहिए कि किसी भी स्तर पर देशवासियों की आज़ादी प्रभावित न हो सके. देश के शांतिपूर्ण माहौल में ज़हर घोला जा रहा है, नफ़रतें फैलाई जा रही हैं, नफरत और कट्टरता के कारण न जाने कितनी समस्याओं से अल्पसंख्यक समुदाय परेशान है. नफरत की आग इस हद तक बढ़ गई है कि बहिष्कार किये जाने तक की नौबत आ रही है लेकिन वह सर्वोच्च न्याय पालिका के हस्तक्षेप से ज़रुर नाकाम होकर रह जा रही हैं। आज देश और दुनिया साइबरस्पेस में तेज़ी से वृद्धि को ओर अग्रसर है. हमारे देश में भी इंटरनेट गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है और यह कहना काफी हद तक सही है कि सूचना तक पहुँच में इस तरह की अभूतपूर्व वृद्धि एक ओर व्यक्तियों और संगठनों को सशक्त बनाती है तो वहीं दूसरी ओर सरकार और देशवासियों के लिए नई चुनौतियाँ भी पेश कर रही हैं। साइबर दुनिया को सुरक्षित बनाना समय की मांग है।

राष्ट्र के महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे की सुरक्षा के लिए साइबर अपराध के खिलाफ निवारक उपाय करना राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा के लिए भी उतना ही आवश्यक है। इस संबंध में सरकार का मुख्य उद्देश्य साइबर हमलों को रोकना और देश के महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे की सुरक्षा अत्यंत आवश्यक हो गई है।साइबर अपराधों मे इंटरनेट अपराध में साइबर अपराधी कई तरीकों से जानकारी ट्रैक कर रहे हैं। साइबर अपराधों को रोकने के लिए, व्यक्तियों और सरकारों को साइबरस्पेस में अपराध योजनाओं और इन अपराधियों के समकालीन और जारी इंटरनेट रुझानों और व्यवहारों को स्पष्ट रूप से समझने की आवश्यकता है। बढ़ती यातायात दुर्घटनाओं ने तो यात्रियों को विचलित कर ही दिया है, रेल दुर्घटनाओं के चलते हाल ही में लखनऊ-मुंबई पुष्पक एक्सप्रेस के एक कोच में चिंगारी और धुएं से यात्रियों में दहशत फैला कर रख दी है। इसी के मद्देनजर जमाअत ए इस्लामी हिंद महाराष्ट्र के अध्यक्ष मौलाना इलियास फ़लाही ने सरकार से आग्रह किया हैं कि वह ट्रेनों में यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए तत्काल ठोस क़दम उठाए। हम सभी ट्रेनों में सार्वजनिक संबोधन प्रणाली स्थापित करने की पुरज़ोर अनुशंसा करते हैं जैसा कि विमान सेवाओं में होता है। इस प्रकार आपात स्थिति के दौरान स्पष्ट संचार को सुनिश्चित किया जा सकेगा। कोचों में सीसीटीवी कैमरे लगाने से ऐसी स्थितियों की प्रभावी निगरानी और प्रबंधन में सहायता मिलेगी। रेल मंत्रालय के पास ट्रेनों की देखभाल के लिए पर्याप्त संख्या में सुरक्षा मार्शल होने चाहिए। इन उपायों से न केवल गलत सूचनाओं के फैलाव को रोका जा सकेगा बल्कि यात्रियों में सुरक्षा की भावना भी पैदा होगी। सरकार को हाल के वर्षों में बड़ी दुर्घटनाओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए ट्रेनों में सुरक्षा उपायों को बढ़ाने के लिए नए सिरे से अध्ययन करना चाहिए। देशवासियों में बढ़ते कैंसर के मरीजों की रोकथाम के लिए व्यापक कदम उठाने की आवश्यकता है।

फसलों पर कीटनाशकों और अनाज को सुरक्षित रखने के लिए जहरीला बनाने वाले रसायनों पर रोक लगनी चाहिए इसके लिए कड़े कानून बनाना चाहिए। मिलावटी दूध, फ़ल और स्वादहीन होती सब्ज़ियां पर बहुतायत में उपयोग किए जा रहे घातक रसायन चिंतन करने की आवश्यकता पर ध्यान दिलाते हैं। फिर देशवासियों के हित में उठते सकारात्मक कदम क्यों नहीं हमारे देश को विश्व की उड़ान में सर् बुलंद करेंगे! देश के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य बनना चाहिए कि देश को सर्वोच्च शिखर पर ले जाने के लिए अपना जिस भी प्रकार का प्रयास है, उसे उसका हक अदा करना चाहिए। अंत में सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

76वें गणतंत्र दिवस पर विशेष

गणतंत्र दिवस की शान

सेना की परेड

❑ राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आज इस मौके पर भव्य परेड का आयोजन किया जाता है. इसमें पूरे भारत की तस्वीर झांकियों के रूप में सामने आती है तो देश अपनी शक्ति का प्रदर्शन भी करता है. इससे दुनिया को यह संदेश जाता है कि भारत की ओर आंख उठाने की हिम्मत न करे तो देशवासियों को यह आश्वासन मिलता है कि देश अपनी रक्षा करने में सक्षम है. इस साल भारत अपना 76वां गणतंत्र दिवस है, जिसकी थीम है स्वर्णिम भारत-विरासत और विकास. आइए जान लेते हैं कि सेना की परेड कैसे गणतंत्र दिवस की शान बन गई? अंग्रेजों से आजादी मिलने के बाद भारत ने 26 नवंबर 1949 को अपना संविधान अंगीकार किया था, जिसे 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया था. हर साल इसी उपलक्ष्य में गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया जाता है, जिसमें भारत अपनी सेनाओं की ताकत, तकनीकी तरक्की और सांस्कृतिक विविधता का प्रदर्शन करता है. इस दौरान सेना की खास परेड होती है, जो रायसीना हिल से शुरू होकर कर्तव्य पथ (पहले राजपथ) पर इंडिया गेट होते हुए लालकिले तक जाती है. इतिहासकार रामचंद्र गुहा ने अपनी किताब इंडिया ऑफ्टर गांधी में लिखा है कि पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के सामने सशस्त्र सेनाओं के तीन हजार जवानों ने मार्च किया था. 31 तोपों की सलामी दी गई थी और वायुसेना के विमानों ने करतब दिखाए थे. पहली परेड का आयोजन जहां एक स्टेडियम में किया गया था, वहीं अगले ही साल इसे राजपथ पर शिफ्ट कर दिया गया. इसके बाद जल्द ही केंद्र सरकार राज्यों को भी इसमें हिस्सेदारी के लिए आमंत्रित करने लगी और सांस्कृतिक प्रदर्शनी भी परेड का हिस्सा बन गई. इससे परेड अनेकता में एकता का प्रतीक बन गई. जैसे- जैसे राज्य अपनी झांकियां परेड में भेजने लगे, परेड और भी लंबी और कलरफुल होती गई. दिल्ली से दूर रहने वालों के लिए यह परेड आज भी आकर्षण का केंद्र है. अब तो इसमें कई सरकारी विभाग भी हिस्सा लेते हैं. वास्तव में भारतीयों के लिए शुरुआत में यह परेड एक शक्तिशाली गणतंत्र के रूप में अपने अस्तित्व को दर्शाने का प्रतीक थी. इसके लिए अंग्रेजी सरकार से भी

कुछ प्रेरणा मिली थी, जो अपने ग्रैंड रिसेप्शन और प्रोसेशन के लिए जानी जाती थी और जिससे भारतीय काफी हद तक परिचित थे. समय के परेड में भव्यता आती गई. जैसे-जैसे भारत अलग-अलग क्षेत्रों में तरक्की करता रहा, उसका प्रदर्शन भी इसका हिस्सा बनता रहा. परेड में तीनों सेनाओं की टुकड़ियां, अर्धसैनिक बलों की टुकड़ियां, एनसीसी के कैडेट तो कदमताल करते ही हैं, भारतीय सेनाओं के पास मौजूद अत्याधुनिक हथियारों का प्रदर्शन भी किया जाता है. परेड का मुख्य आकर्षण भी सेना के टैंकों से लेकर मिसाइलें तक होती हैं. ये जब राष्ट्रपति को सलामी देती हैं तो पूरा देश जज्बे से ओतप्रोत हो जाता है. हवा में करतब दिखाते वायुसेना के विमान हर किसी को रोमांचित कर देते हैं.

गणतंत्र दिवस इन खास शहरों में मनाएं

जहां सेलिब्रेशन है अद्भुत और यादगार

❑ आज ही के दिन हमारा संविधान लागू हुआ था. ये दिन तभी से लोकतंत्र का प्रतीक बन गया. ये दिन हमें अपने वीर स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और संविधान निर्माताओं की याद दिलाता है. गणतंत्र दिवस के दिन पूरे देश में देशभक्ति का माहौल बन जाता है. स्कूल, कॉलेज और सरकारी इमारतों पर तिरंगे झंडे फहराए जाते हैं. लेकिन भारत के कुछ शहर ऐसे हैं, जहां गणतंत्र दिवस का सेलिब्रेशन बेहद खास और अद्भुत होता है. इन शहरों में जाकर इस दिन को मनाने का अनुभव यादगार बन जाता है. आइए जानते हैं भारत की उन चुनिंदा जगहों के बारे में, जहां रिपब्लिक डे सेलिब्रेशन देखने का एक अलग ही मज़ा है.

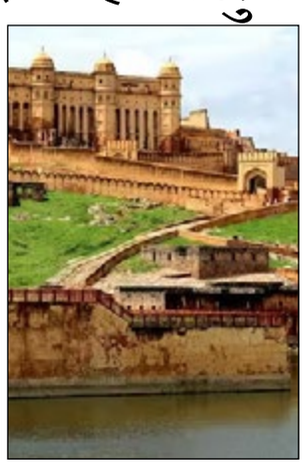

1. कर्त्तव्य पथ, नई दिल्ली: देश की राजधानी दिल्ली में गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह होता है. कर्त्तव्य पथ पर परेड का आयोजन किया जाता है, जिसमें भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना के जवान अपनी ताकत और पराक्रम का प्रदर्शन करते हैं. परेड में झांकियां, सैन्य उपकरणों का प्रदर्शन, झंडारोहण और वायुसेना के विमानों के करतब देखने लायक होते हैं.राष्ट्रपति तिरंगा फहराते हैं और 21 तोपों की सलामी दी जाती है.

2. मरीन ड्राइव, मुंबई: मुंबई में गणतंत्र दिवस का जश्न बेहद खास होता है. मरीन ड्राइव पर लोग तिरंगा लेकर देशभक्ति का जश्न मनाते हैं. यहां का नजारा देशभक्ति और उत्साह से भरपूर होता है. आप भी मरीन ड्राइव पर झंडारोहण और सांस्कृतिक कार्यक्रम देखने का आनंद लें सकते हैं.

3. वाघा बॉर्डर, पंजाब: वाघा बॉर्डर पर हर दिन बीटिंग रिट्रीट समारोह होता है, लेकिन गणतंत्र दिवस के दिन ये और खास हो जाता है. भारत और पाकिस्तान के जवानों के बीच ये समारोह देखने लायक होता है. आप भी यहां सुबह जल्दी पहुंचकर इस खास आयोजन का हिस्सा बन सकते हैं. यहां देशभक्ति का जुनून और जोश देखने लायक होता है.

4. जयपुर के महल और किले: राजस्थान के जयपुर में गणतंत्र दिवस के दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होता है. यहां के ऐतिहासिक किले और महल तिरंगे की रोशनी से सजाए जाते हैं. आप यहां रिपब्लिक डे के मौके पर अल्बर्ट हॉल और आमेर किले पर आयोजित कार्यक्रमों का आनंद लें सकते हैं.

5. रेड रोड, कोलकत्ता: कोलकाता में गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह रेड रोड पर आयोजित किया जाता है. इस परेड में पुलिस, सेना, एनसीसी कैडेट्स, और सरकारी विभागों की झांकियां देखने को मिलती हैं. परेड के दौरान बंगाल की कल्चर हेरिटेज और मॉर्डन एडवांसमेंट को भी शोकेस किया जाता है.

हिस्टोरिकल

आजादी मिलते ही नाम बदलने की कोशिशें हुईं तेज

❑ देश को आजादी मिलते ही ब्रिटिश राज के प्रतीकों से छुटकारे की कोशिशें तेज हुईं. राज्य की असेंबली को अंग्रेजी नाम यूनाइटेड प्रॉविंस को बदला जाना जरूरी लगा. 1836 में अंग्रेजों ने इस प्रदेश को नॉर्थ वेस्टर्न प्रॉविंस नाम दिया था. बीस साल बाद 1856 में इसे नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंसेज एंड अवध नाम मिला. 1902 में नया नाम नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंसेज आगरा एंड अवध हुआ. ब्रिटिश राज में आखिरी नाम परिवर्तन 1937 में हुआ , जब प्रदेश का नाम यूनाइटेड प्रॉविंस कर दिया गया. 1858 में प्रशासनिक कामकाज का केंद्र आगरा से इलाहाबाद ट्रांसफर हुआ. 1868 में हाईकोर्ट भी आगरा से हटाकर इलाहाबाद लाया गया. 1920 में प्रदेश की राजधानी इलाहाबाद की जगह लखनऊ बना दी गई. 11 सितम्बर 1947 को कांग्रेस के विधायक चंद्रभाल ने जन्म के समय नामकरण संस्कार की महत्ता बताते हुए राज्य का नाम बदले जाने का प्रस्ताव रखा. इस विषय में बहस लंबी खिंची. राज्य सरकार प्रदेश के नाम के सवाल पर आम सहमति बनाए जाने के पक्ष में थी. ये जिम्मेदारी कैबिनेट के सुपुर्द की गई. जनता से भी राय मांगी गई. प्रदेश कांग्रेस कमेटी को भी विश्वास में लिया गया. लगभग 20 नामों के प्रस्ताव आए. लेकिन अंतिम सहमति "आर्यावर्त" के नाम पर बनी. स्वीकृति के लिए इसे संविधान सभा को भेजा गया. वहां से यह नाम अस्वीकार कर उत्तर प्रदेश नाम का प्रस्ताव हुआ. राज्य असेंबली ने इसे मान्यता प्रदान कर दी.उत्तर प्रदेश को देश का सबसे बड़ा राज्य होने का यश प्राप्त है. माना जाता है कि केंद्र की सत्ता का रास्ता उत्तर प्रदेश से गुजरता है. अब तक यह राज्य देश को आठ प्रधानमंत्री दे चुका है.

वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी लोकसभा में उत्तर प्रदेश की वाराणसी लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं. लेकिन राज्य के बड़े आकार और इसके चलते प्रशासन में आने वाली बाधाओं और विकास के मामले में क्षेत्रवार असंतुलन की शिकायतें भी होती रही हैं. इसके निदान के उपाय के तौर पर राज्य को कुछ हिस्सों में विभाजित करने की मांग उठती रही है. विभाजन की यह जरूरत आजादी के बाद से ही महसूस की गई. प्रदेश के विभाजन को पंडित नेहरू ने भी जरूरी माना था. हालांकि यह पेशकश करते समय नेहरू को अहसास था कि उनके इस प्रस्ताव को उनके प्रदेश के साथी पसंद नहीं करेंगे. 7 जुलाई 1952 को लोकसभा में नेहरू ने कहा था, निजी तौर पर इस बात से सहमत हूं कि उत्तर प्रदेश का बंटवारा किया जाना चाहिए. इसे चार राज्यों में बांटा जा सकता है. लेकिन मुझे संदेह है मेरे विचार को साथी शायद ही पसंद करेंगे.

हेल्थ एंड फिट कैप्सूल फिटनेस की हितकारी औषधि

❑ आजकल की भागदौड़ के जीवन में फिट रहना ऊर्जावान रहना अति आवश्यक है। इसके लिए संतुष्टि आहार स्वास्थ्य के नियमों का पालन करना भी आवश्यक है। इसके साथ साथ आयुर्वेदिक रसायन औषधि अथवा टॉनिक का सेवन भी लाभप्रद होता है। शिवशंकर आयुर्वेदिक एजंसी सिताबर्डी टेंपल बाजार रोड नागपुर द्वारा निर्मित एवं वितरित 'हेल्थ एंड फिट कैप्सूल्स' अत्यंत उपयोगी टॉनिक साबित हुई है। उसमें घटक द्रव्यों में ब्राह्मी, शंखपुष्पी -अश्वगंधा यह आयुर्वेदिय औषधि शारीरिक एवं मानसिक बल प्रदान करने वाली होने से शरीर एवम् मन को उत्साहित रखने मे सहायक होती है। इसके साथ साथ विटामिन बी3, बायोटिन, कैल्शियम, ग्रेप सीडस

एक्सट्रेक्ट, ओमेगा यह एवं बाकी मल्टी- विटामिन यह शरीर की ऊर्जा का स्त्रोत होने के कारण थकान को हटाकर शरीर की आवश्यकताओं को पूरा करके शरीर को पूरी तरह ऊर्जा प्रदान करने मे सहायक होता है। जिसके काल रोग की भागदौड़ भरी जीवन में शारीरिक एवम् मानसिक ऊर्जा भरपूर मिलती है. जिससे शरीर एवम् मन काम करके भी दुरुस्त तरोताजा रखने मेक् सहायता मिलती है. जिन व्यक्तियों को थकान, चाहे वह शारिरीक से या मानसिक होती है। काम में मन एवम् ऊर्जा नही लगता ऐसे लोगों को इसका सेवन अनुभवी वैरयों की सलाह से कसे घर बहुम अच्छा शारीरिक एवम् चित मानसीक फायदा लेकर शरीर मन तरोताजा होकर कार्यक्षमता बढ़ने मे सहायता मिल जाती है। जिससे पूरा दिन अच्छा होता है और स्वास्थ्य लाभ होते हुए देखा जा सकता है. तथापि इच्छुक व्यक्ति या रुग्ण जो कमजोरी

शिवशंकर आयुर्वेद एजन्सी

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में (0712) 2567747, 2536077 इन दूरध्वनी क्रमांको पर संपर्क स्थापित करें

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक: फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादक: इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

तिरंगा जागरूकता अभियान पोस्टर का विमोचन

> राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के लिए जन जागरूकता अभियान

चंद्रपुर. राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करना सभी भारतीयों का कर्तव्य है। हितेश डोर्लिकर ने आज बच्चों और युवाओं के साथ-साथ स्कूली छात्रों और सभी नागरिकों से राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करने की अपील की।

राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के लिए 'कर सम्मान तिरंग्याचा' जन जागरूकता अभियान "नाग स्वराज फाउंडेशन" द्वारा आयोजित किया गया तथा कामयाब फाउंडेशन और हर दिन होंगे कामयाब द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। 'कर सम्मान तिरंग्याचा' जन जागरूकता अभियान पोस्टर का विमोचन हितेश द्वारा किया गया।

सामाजिक संगठन नाग स्वराज फाउंडेशन पिछले वर्ष 2010 से राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के लिए 'कर सम्मान तिरंगाचा' अभियान चला रहा है। यह संगठन इन इंजीनियरों के माध्यम से कागज और प्लास्टिक के झंडे को फहराने का काम कर रहा है। नागपुर और विदर्भ सभी शहरों के पार्कों, स्कूलों, कॉलेजों, सरकारी कार्यालयों और सार्वजनिक स्थानों से गिरे हुए, फटे, सड़े हुए कागज और प्लास्टिक के झंडे उठाते हैं। 26 जनवरी और 15 अगस्त को छोटे बच्चे और युवक-युवतियां बड़े उत्साह के साथ राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगा' लेकर चलते हैं और झंडे (तिरंगे) को फाड़कर कहीं भी फेंक देते हैं, जिससे राष्ट्रीय ध्वज का अपमान होता है। ऐसा होने से रोकने के लिए, नाग स्वराज फाउंडेशन के कार्यकर्ता राष्ट्रीय ध्वज को फहराने और बनाए रखने के लिए काम कर रहे हैं। जन जागरूकता अभियान 22 से 27 जनवरी 2025 तक चलेगा। इस अभियान के दौरान नुक्कड़ नाटकों, स्कूलों और कॉलेजों में स्टिकर और पोस्टर वितरित कर तिरंगे और उसके नियमों के बारे में जानकारी देकर नागरिकों में जागरूकता पैदा की जाएगी। इस कार्यक्रम में नाग स्वराज फाउंडेशन के सचिव हितेश डोर्लिकर के साथ हेमंत पराते, हर्षा दोरलीकर, यज्ञेश कपले, गगन राऊत, दीपाली पटले, रूपेश चाफलेकर, तृप्ति शेंडे सहित बड़ी संख्या में युवा उपस्थित थे।

- राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने से बचें!
- प्लास्टिक के राष्ट्रीय झंडों का उपयोग न करें!
- राष्ट्रीय ध्वज का बैनर के रूप में उपयोग न करें!
- तिरंगा पतंग न उड़ाएं!
- राष्ट्रीय ध्वज छपे कपड़े न पहनें!
- तिरंगे की प्रतिकृति वाला केक न काटें!
- राष्ट्रीय अस्मिता की रक्षा के लिए इस कार्य में भाग लें..!!

स्व. मोहन हीराबाई हीरालाल युवकों के प्रेरणापुरुष

चंद्रपुर, सुनील तायडे

देश भर के जागरूक युवा जो कुछ अलग करना चाहते थे, उन्होंने लोकनायक जयप्रकाश नारायण के संपूर्ण क्रांति आंदोलन में भाग लिया और सामाजिक प्रतिबद्धता का व्रत लेकर अपने जीवन में काम करते रहे। हम देश भर में इन युवाओं द्वारा शुरू की गई अनेक सामाजिक सेवा परियोजनाओं को देख रहे हैं। भारत को मोहन हीराबाई हीरालाल के रूप में देखा गया है, जो एक असाधारण कार्यकर्ता थे, जिन्होंने अपनी युवावस्था में गांधीवादी विचारों को अपनाया और उन्हें अपने जीवन का लक्ष्य बना लिया।

गांधीजी के ग्राम उदय का विचार था गांव को आम सहमति से चलाना, अपने स्वास्थ्य, आजीविका, जीवन कौशल और समुदाय के प्रति प्रेम को आधार मानकर गांव और समाज का विकास करना। लेकिन अधिकांश कार्यकर्ताओं का मानना था कि इस विचार को लागू करना कठिन होगा। इस धारणा को खारिज करते हुए मोहन हीराबाई हीरालाल ने मेंढा गांव के माध्यम से इस विचार को साकार किया है। मोहन हीराबाई हीरालाल ने एक अध्ययन समूह के माध्यम से लगातार एक प्रश्न पर विचार करके तथा मेंढा गांव की ग्राम सभा से आम सहमति लेकर उसे सर्वसम्मति का रूप देकर सर्वसम्मति के सिद्धांत की स्थापना की है। उन्होंने इस विचार को पूर्णता तक विकसित किया है और अपना पूरा जीवन इसके लिए समर्पित कर दिया है।

जंगल में रहने वाले लोगों द्वारा अपने अनुभव से प्राप्त ज्ञान और शहर में रहने वाले लोगों द्वारा क्रमिक अध्ययन के माध्यम से प्राप्त ज्ञान का आदान-प्रदान करके, ग्रामीणों को पूर्ण ज्ञान की अनुभूति दी जाती है, जिससे विकास और व्यक्तित्व का चमत्कार होता है। आम लोगों में परिवर्तन लाना चाहते हैं, तथा आम आदमी को विश्व प्रतिस्पर्धा में खड़ा करने का उनका प्रयास असाधारण एवं अद्वितीय माना जाता है। उनके इस आदर्श को सामने रखते हुए आस-पास के कई गांवों ने उस दिशा में आगे बढ़ने का प्रयास किया और आज वे एक नई राह की ओर बढ़ रहे हैं।

मोहन भाई के बारे में कुछ कहना है तो वह यह कि उन्होंने अपनी युवावस्था में अपनाए गए गांधीवादी विचारों के प्रति अटूट निष्ठा बनाए रखी, जो उनके जीवन का मार्गदर्शक सिद्धांत बना रहा। मेंढा लेखा के संदर्भ में, इन गांधीवादी सिद्धांतों के परीक्षण का क्षण उनके सामने था, जिस बिंदु पर उन्होंने प्रत्यक्ष सिद्धांत या समूह संयम के सिद्धांत को प्राथमिकता देते हुए आगे बढ़ने का फैसला किया। इससे एक सच्चे गांधीवादी कार्यकर्ता के रूप में उनकी यात्रा और अधिक शानदार और सक्रिय हो जाती है।

समाज उनकी यात्रा से बहुत

खुश है और उनके काम को पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। उन्हें जमनालाल बजाज पुरस्कार और चंद्रपुर भूषण पुरस्कार सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कार मिले हैं। उन्होंने कई सामाजिक मुद्दों पर लिखा है जिनमें "मेंढा" और "हम अपनी समस्याओं का समाधान स्वयं करेंगे" लेख में प्रयोग, वन अधिकार अधिनियम, जल मुद्दा और ग्रामोदय शामिल हैं। एक गांधीवादी कार्यकर्ता जिसने अपना पूरा जीवन मुद्दों को समझने, उन पर सोचने के लिए प्रेरित करने, समाज में विचारशील लोगों को एक साथ लाने और सामाजिक जीवन को आसान बनाने में लगा दिया, एक रचनात्मक कार्यकर्ता जिसने लगातार इस प्रक्रिया का पालन किया, आज उनकी स्मृति के रूप में पर्दे के पीछे गायब हो गया है। हम उनकी स्मृति में अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

अपनी युवावस्था में, लगभग 1973 में, वह स्वर्गीय जयप्रकाश नारायण के छात्र संगठन छात्र युवा संघर्ष वाहिनी में शामिल हो गए। बाद में, उन्होंने वडसा में लकड़ी श्रमिक संघ की स्थापना करके अपना काम जारी रखा, जहां उन्होंने रोजगार गारंटी के मुद्दों पर काम किया।

1980 के दशक में उनका संपर्क मेंढा लेखा गांव से हुआ। इस दौरान उन्होंने लाल श्याम शाह, बाबा आमटे और ठाकुरदास बंग के नेतृत्व में जंगल बचाओ मानव बचाओ आंदोलन में भाग लिया। क्या 1980 के दशक के मध्य में कोई गांव सबकी सहमति से गांव के विकास का निर्णय ले रहा है? इस खोज में वे गांव की तलाश कर रहे थे। कई गांवों का अध्ययन करने के बाद वे मेंढालेखा के संपर्क में आए। उपयुक्त गांव ढूंढ़कर वे 1986 में अपने परिवार के साथ मेंढालेखा में रहने आ गए। तब से उन्होंने अपने सभी प्रयोग मेंढा लेखा गांव में ही किए हैं। मेंढा के लोगों ने घोषणा की, "दिल्ली मुंबई मावा सरकार, मावा नाटे नाटे सरकार" अर्थात हम अपने गांव में सरकार हैं। मेंढालेखा के लोगों को साथ लेकर उन्होंने बल्लारपुर पेपर मिल का पट्टा रद्द कर दिया, जो उनके गांव की वन सीमा के भीतर स्थित था। उन्होंने जंगल से सागौन की लकड़ियाँ काटकर गाँव में लाकर 'गोटूल' बनाया। इसके लिए उन्होंने वन विभाग से बड़ी लड़ाई लड़ी और जंगल पर गाँव के अधिकार को प्रदर्शित किया। बाद में, 2009 में वन अधिकार अधिनियम लागू होने के बाद, मेंढा लेखा गांव ने सामूहिक वन पर अपना दावा पेश किया और 1800 हेक्टेयर वन पर मालिकाना हक प्राप्त किया। मेंढालेखा ऐसा अधिकार प्राप्त करने वाला भारत का पहला गांव बन गया।

लोकतंत्र की रक्षा के लिए कांग्रेस का आंदोलन

> चंद्रपुर के गांधी चौक पर राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर प्रदर्शन

चंद्रपुर.

हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली के खिलाफ और लोकतंत्र और अधिकारों की रक्षा के लिए चंद्रपुर जिला और शहर कांग्रेस कमेटी की ओर से 25 जनवरी 2025 को सुबह 10.30 बजे गांधी चौक पर विरोध प्रदर्शन किया गया.

इस आन्दोलन में कांग्रेस के कई प्रमुख नेता एवं कार्यकर्ता स्वस्फूर्त रूप से शामिल हुए। सांसद प्रतिभा धानोरकर, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व विधायक सुभाष धोटे और शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रितेश तिवारी की प्रमुख उपस्थिति में विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया गया.

मांग की गई कि चुनाव आयोग पारदर्शिता बनाए रखे, मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा करे और लोकतांत्रिक व्यवस्था में हस्तक्षेप करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे।

इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता विनायक बांगड़े, विनोद दत्तात्रेय, के.के. सिंह, सुभाष सिंह गौर, यूसुफ भाई सिद्दीकी, अंबिका प्रसाद दवे के साथ युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष राजेश आदुर, महिला ग्रामीण जिला अध्यक्ष सुनंदाताई धोबे, महिला शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष चंदा वैरागड़े, पूर्व नगरसेवक नंदू नागरकर, प्रशांत दानव, प्रदीप डे, संतोष लाहमगे, ललिता रेवल्लीवार, सुनीता अग्रवाल, सुनीता लोधिया, संगीता भोयर, शिवा राव, फ्रंटल से भालचंद्र दानव, मतीन कुरेशी, राहुल चौधरी, सागर खोबरागड़े, प्रसन्ना शिरवार, रामकृष्ण कोंडारा, तवंगर खान, पप्पू सिद्दकी, नौशाद शेख, शिरीष गोगलवार, दुर्गेश कोडम, गोपाल अमृतकर, प्रशांत भारती, शब्बीर सिद्दीकी सहित कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी संस्था के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

निष्पक्ष चुनाव के लिए राजुरा कांग्रेस ने तहसीलदार को सौपा ज्ञापन

> राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर जागरूकता अभियान

राजुरा.

25 जनवरी को पूरे भारत में 'राष्ट्रीय मतदाता दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इस दिन का लाभ उठाते हुए राजुरा कांग्रेस ने मांग की है कि चुनाव आयोग के पक्षपातपूर्ण प्रशासन के खिलाफ जनजागृति पैदा की जाए और निष्पक्ष चुनाव कराए जाएं। सुबह 11:45 बजे राजुरा के उप तहसीलदार चंद्रशेखर तेलंग के माध्यम से भारत निर्वाचन आयोग को एक ज्ञापन सौंपा गया। तथा तालुका कांग्रेस कमेटी ने अनुरोध किया है कि चुनाव आयोग निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव कराने का अपना कर्तव्य बिना किसी पक्षपात के निभाए तथा लोकतंत्र की रक्षा करने, मतदाताओं का सम्मान, आदर एवं विश्वास बनाए रखने तथा विश्वसनीयता बरकरार रखने पर ध्यान दे। .

इस अवसर पर राजुरा विधानसभा कांग्रेस समन्वयक पूर्व महापौर अरुण धोटे, तालुका अध्यक्ष रंजन लांडे, महिला तालुका अध्यक्ष निर्मला कुडमेथे, अध्यक्ष विकास देवलकर, जिला महासचिव एजाज अहमद, चंद्रपुर जिला युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष शांतनु धोटे, शहर अध्यक्ष संध्या चांदेकर, कविता उपरे उपस्थित थे।

पूर्व नगरसेवक प्रभाकर येनें, हरजीत सिंह संधू, तिरुपति इंदौरवार, सेवा कलश फाउंडेशन के अध्यक्ष अभिजीत धोटे, और। चंद्रशेखर चांदेकर, भूषण बनकर, रामभाऊ धुमाणे, अशोक पिंपलकर, यू. नहीं। इस अवसर पर तालुका अध्यक्ष इरशाद शेख, प्रणय लांडे, अशोक राव, संघपाल देठे, संतोष मेश्राम सहित कांग्रेस के सभी अग्रणी संगठनों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

धम्म.. जीवन का एक तरीका जो शांति और मानवता सिखाता है: जोरग़ेवार

> बौद्ध समन्वय समिति की ओर से 18वीं दो दिवसीय धम्म परिषद.

> दूल्हा-दुल्हन परिचय मेलावा का आयोजन.

चंद्रपुर. बौद्ध समन्वय कार्य समिति द्वारा आयोजित इस धम्म परिषद के माध्यम से समाज को जीवन जीने का नया दृष्टिकोण मिले। भारत रत्न डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर की धम्म शिक्षाओं का प्रचार और प्रसार किया जाना चाहिए , यही सामाजिक परिवर्तन का मार्ग है। विधायक किशोर जोरग़ेवार ने कहा कि धम्म सिर्फ बौद्ध धर्म नहीं है , बल्कि जीवन का एक तरीका है जो शांति और मानवता सिखाता है।

बौद्ध समन्वय कार्रवाई समिति द्वारा 18 वीं दो दिवसीय धम्म परिषद एवं भावी दूल्हा-दुल्हन परिचय सभा का आयोजन मुल रोड, इंदिरा नगर में किया गया। वह इसी कार्यक्रम में बोल रहे थे. इस कार्यक्रम में डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर मेमोरियल सोसायटी के अध्यक्ष अरुण घोटेकर , बौद्ध समन्वय कार्य समिति के अध्यक्ष बुद्धप्रकाश वाघमारे , हरीश सहारे , तुषार सोम , विश्वजीत शाहा , राशिद हुसैन आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

जोरग़ेवार ने कहा कि हमारा समाज प्रगति की राह पर है , लेकिन शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य के बुनियादी क्षेत्रों में अभी भी काम करने की जरूरत है . हमने पिछले पांच वर्षों से इस क्षेत्र में काम किया है। मैं हमारे बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा , हमारे युवाओं के लिए रोजगार के अवसर और सभी के लिए अच्छी स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच प्रदान करने का प्रयास करना जारी रखूंगा । साथ ही भारत रत्न डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर ने पवित्र दीक्षाभूमि के विकास का जो संकल्प लिया था, उसे पूरा कर पाना सौभाग्य की बात है। यहां 57 करोड़ रुपये के फंड से एक खूबसूरत विश्वस्तरीय काम होने जा रहा है. हम शहर के 17 बुद्ध विहारों में अभ्यासिका तैयार करेंगे । इस मौके पर उन्होंने कहा कि इसके लिए करीब पांच करोड़ रुपये का फंड स्वीकृत किया गया है.

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाना और रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ समय बिताना मुश्किल हो गया है। इस प्रकार, दूल्हा-दुल्हन परिचय सम्मेलन के माध्यम से सामाजिक एकजुटता की भावना पैदा होती है और नए रिश्ते बनते हैं। यहां एकत्रित युवाओं के साथ-साथ उनके अभिभावकों को भी इस गतिविधि का पूरा लाभ उठाना चाहिए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि शादी सिर्फ दो लोगों का नहीं, बल्कि दो परिवारों का मिलन है. दूल्हा-दुल्हन का परिचय न केवल एक परंपरा का हिस्सा है , बल्कि नए रिश्ते बनाने का एक बड़ा माध्यम भी है। ऐसे कार्यक्रमों से न केवल रिश्ते मजबूत होते हैं , बल्कि समाज में एकता की भावना पैदा होती है। आयोजकों ने इस कार्यक्रम के माध्यम से हमारी युवा पीढ़ी को उपयुक्त जीवन साथी चुनने का अवसर प्रदान किया है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह भावी पीढ़ियों के लिए एक आदर्श बनेगा । इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समुदाय के सदस्यों ने भाग लिया।

मुझे महादेव ने आदेश दिया और...'

प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ से रोजाना कुछ ना कुछ खास खबरें सामने आ रही है. अब 24 जनवरी यानी शुक्रवार को 90 के दशक की मशहूर अभिनेत्री ममता कुलकर्णी ने प्रयाग पहुंचकर किन्नर अखाड़ा ज्वाइन किया और दीक्षा ग्रहण की. ममता कुलकर्णी ने संगम में अपना पिंडदान किया और किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बन गई हैं. इसके बाद वह भगवा वस्त्र धारण किए नजर आईं. इसके बाद से वह दिन भर चर्चा में बन रहीं और उनके तमाम फोटोज और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते रहे. वहीं, ममता कुलकर्णी ने बताया है कि ये कदम क्यों उठाया है.

किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बनने के बाद ममता कुलकर्णी ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'ये महादेव, महकाली और मेरे गुरु का आदेश था. उन्होंने ये दिन चुना. मैं कुछ नहीं किया है.' वहीं, ममता कुलकर्णी के महामंडलेश्वर बनाने से पहले किन्नर आखड़े की आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण ने कहा, 'किन्नर अखाड़ा ममता कुलकर्णी को महामंडलेश्वर बनाने जा रहा है. उनका नाम श्री यामाई ममता नंदगिरि रखा गया है. जैसा कि मैं बता रही हूं, सभी अनुष्ठान चल रहे हैं. वह पिछले डेढ़ साल से किन्नर खाड़ा और मेरे संपर्क में हैं. अगर वो चाहे तो किसी भी धर्मिक किरदार को निभा सकती हैं क्यों कि हम किसी को उनकी कला से नहीं रोकते हैं.'

ममता कुलकर्णी के एक्टिंग करियर की बात की जाए तो उन्होंने 'करण अर्जुन', 'तिरंगा', 'किस्मत', 'वक्त हमारा है', 'बेताज बदशाह' जैसी फिल्मों में काम किया है. ममता कुलकर्णी को उनकी अदाकारी के साथ ही उनकी खूबसूरती के लिए जाना जाता है.

फरवरी के महीने में रिलीज होंगी ये 5 फिल्में

साल 2025 के पहले महीने में 'आजाद', 'इमरजेंसी' और 'स्काई फोर्स' जैसी कई फिल्में रिलीज हुईं. 'आजाद' के जरिए अजय देवगन के भांजे अमन देवगन और रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ने डेब्यू किया है. फरवरी के महीने में बॉलीवुड की पांच हिंदी फिल्में रिलीज होने वाली हैं. वहीं अमन और राशा की तरह दो और नए स्टारकिड्स पहली बार बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं.लवयापा- 7 फरवरी को सिनेमाघरों में 'लवयापा' नाम की एक फिल्म रिलीज हो रही है. इस फिल्म में आमिर खान के बेटे जुनैद खान और बोनी कपूर की छोटी बेटी खुशी कपूर एक साथ नजर आने वाले हैं. ये दोनों पहली बार बड़े पर्दे पर दिखने वाले हैं. ये दोनों की सिल्वर स्क्रीन की डेब्यू फिल्म है. देखना होगा कि पहली बार बड़े पर्दे पर नजर आने वाले ये दो सितारे कैसा कमाल दिखाते हैं. इससे पहले दोनों की नेटफ्लिक्स पर एक-एक फिल्म रिलीज हो चुकी है. जुनैद 'महाराज' नाम की फिल्म में दिखे थे और खुशी 'द आर्चीज' में नजर आई थीं.बैडएस रविकुमार- सिंगर हिमेश रेशमिया भी एक फिल्म लेकर आ रहे हैं. उनकी फिल्म का नाम है 'बैडएस रविकुमार'. ये फिल्म भी 7 फरवरी को ही रिलीज हो रही है. ये एक एक्शन-म्यूजिकल फिल्म है, लेकिन आपको इसमें 80s का एक्शन देखने को मिलेगा. आज के समय में फनी अंदाज में पुराना एक्शन दिखाने और फनी गाने की वजह से इस फिल्म पर रिलीज से पहले काफी मीम्स बन रहे हैं.

छावा- ये फरवरी महीने की सबसे बड़ी फिल्म है. छत्रपति संभाजी महाराज पर बेस्ड इस फिल्म में विक्की कौशल लीड रोल में नजर आने वाले हैं. उनके अपोजिट रश्मिका मंदाना हैं. हाल ही में फिल्म का ट्रेलर आया, जिसमें विक्की काफी शानदार लगे हैं. ये फिल्म 14 फरवरी को रिलीज हो रही है.

मेरे हस्बैंड की बीवी- इस लिस्ट में एक नाम अर्जुन कपूर और रकुल प्रीत सिंह की फिल्म 'मेरे हस्बैंड की बीवी' का भी है. मुदस्सर अजीज के डायरेक्शन में बनी ये फिल्म 21 फरवरी को रिलीज हो रही है. जब ये फिल्म अनाउंस हुई थी तो अपने नाम को लेकर काफी ज्यादा चर्चा में रही थी.

इन गलियों में- इस लिस्ट में आखिरी नाम बॉलीवुड फिल्म 'इन गलियों में' का है. इस फिल्म में जावेद जाफरी और विवान शाह अहम किरदार में दिखने वाले हैं. फिल्म 28 फरवरी को रिलीज होने जा रही है.

विक्की कौशल की 'छावा' के इस सीन पर मचा घमासान

विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना स्टारर होस्टोरिकल-पीरियड-एक्शन ड्रामा फिल्म 'छावा' का हाल ही में ट्रेलर रिलीज हुआ था. इस ट्रेलर में विक्की कौशल का एक्शन अवतार और खूंखार अंदाज लोगों को खूब पसंद आ रहा है, लेकिन इस बीच फिल्म को लेकर विवाद शुरू हो गया है. 'छावा' के ट्रेलर रिलीज के बाद पुणे में इसका विरोध शुरू हो गया है. दरअसल, फिल्म के ट्रेलर में दिखाए गए कुछ दृश्य को लेकर विवाद शुरू हुआ है, जिस पर पूर्व राज्यसभा सांसद संभाजीराजे छत्रपति ने नाराजगी जाहिर की है. उन्होंने यह भी कहा कि इस ऐतिहासिक फिल्म की सटीकता सुनिश्चित करने के लिए रिलीज से पहले इतिहासकारों को दिखाया जाना चाहिए. उन्होंने आगे कहा कि, 'फिल्म के डायरेक्टर लक्ष्मण उतेकर ने मुझसे मुलाकात की थी. मैंने उनसे अनुरोध किया था कि वे इस फिल्म को हिस्ट्री के जानकार को दिखाएं. लक्ष्मण उतेकर मराठी व्यक्ति हैं, उन्होंने संभाजी महाराज पर फिल्म बनाने का बहुत साहस काम किया है. इस वजह से हम चाहते हैं कि इसमें कोई गलती न हो.'

पूर्व राज्यसभा सांसद संभाजीराजे छत्रपति ने आगे कहा कि, 'छत्रपति संभाजी महाराज के किरदार में नजर आ रहे हैं विक्की कौशल को म्यूजिकल इंस्ट्रुमेंट बजाते दिखाना तो फिर भी ठीक है, लेकिन उन्हें नाचते हुए दिखाना गलत है. कितनी सिनेमाई स्वतंत्रता ली जा सकती है, इसकी भी सीमाएं हैं. यह खुशी की बात है कि छावा संभाजी राजे के जीवन पर फिल्म बन रही है.' बता दें कि 'छावा' के ट्रेलर में विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना के नृत्य को लेकर आपत्ति जताई जा रही है, जिसमें विक्की छत्रपति संभाजी महाराज और मंदाना महारानी येसुबाई की भूमिका निभा

जावेद अख्तर ने 9 मिनट में लिख दिया था ये गाना

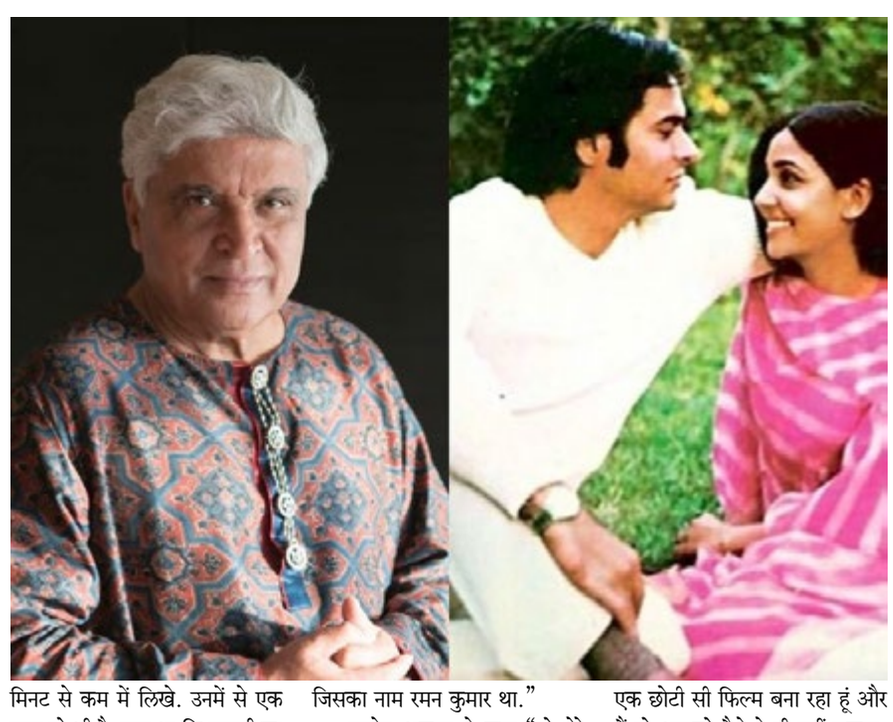

बॉलीवुड के फेमस लेखक जावेद अख्तर ने इंडस्ट्री को कई यादगार गाने, गजल, फिल्में और डायलॉग्स दिए हैं. जावेद अख्तर ने बताया था कि उन्होंने कुछ गाने बहुत कम समय में लिखे हैं. उनमें से एक 'तुमको देखा तो ये ख्याल आया' भी है. इस गाने को जावेद अख्तर ने 9 मिनट में लिख दिया था और इसे किस हालत में लिखा गया, ये किस्सा भी उन्होंने बताया था. एक दफा जावेद अख्तर ने इस गाने को लिखने के पीछे की कहानी बताई थी. उन्होंने कहा था कि फिल्म का प्रोड्यूसर इतना पीछे पड़ गया था कि उन्होंने नशे की हालत में इस गाने को 9 मिनट में लिखकर दे दिया था.

जावेद अख्तर से पूछा गया था कि कुछ भी लिखने में समय तो लगता होगा, तो आपके कुछ ऐसे गाने हैं जिन्हें आपने यूहीं लिख दिया हो या बहुत कम समय लगा हो? इसका जवाब देते हुए जावेद अख्तर ने एक मजेदार किस्सा भी सुनाया था. जावेद अख्तर ने कहाथा, "मैंने 2-4 गाने 10 मिनट से कम में लिखे. उनमें से एक गाना वो भी है, क्या था कि यशजी का एक एक्स-असिस्टेंट मेरे पास आया, जिसका नाम रमन कुमार था."

जावेद अख्तर ने कहा,"वो मेरे पास आया और कहता है कि सर मैं एक छोटी सी फिल्म बना रहा हूं और मैं तो आपको पैसे दे ही नहीं सकता. आपकी जो फीस है वो तो मैं दे नहीं पाऊंगा, लेकिन आप मेरी फिल्म के गाने अगर लिख दें तो मेहरबानी होगी. तो मैंने कहा चलो अच्छा लिख दूंगा. मैं फ्री में गाने लिख रहा था तो सब लिख दिए एक रह गया था."

जावेद अख्तर ने आगे कहा, "अब वो बेचारा रोज शाम को आता और मुझसे गाना लिखने के लिए रिक्वेस्ट करता था. उस जमाने में मै हर दिन पीने का शौकीन था. तो वो आ जाता था शाम को गाने के लिए. हम बैठे रहते थे, बात करते रहते थे, शराब पीते थे और डेढ़-दो बज जाते थे, खाना-पीना खाते थे और कहते थे कल लिखेंगे. फिर कल-कल होता रहा. फिर एक दिन वो बेचारा रो रहा था, क्योंकि उसे गाना चाहिए था, शूटिंग रुकी थी काफी काम था. तो मैंने कहा अच्छा चलो आज लिखता हूं."

उन्होंने आगे बताया था, "रात के 2 बजे, 8-9 पैग पीने के बाद मैंने पेपर पेन मांगा और गाना 9 मिनट में लिखकर दे दिया. फिर वो गाना जगजीत सिंह ने गाया, जिसका नाम है 'तुमको देखा तो ये ख्याल आया'. मुझे ये मालूम है कि मैंने उसे 9 मिनट में लिखा, इसलिए क्योंकि उसे अपनी आखिरी ट्रेन पकड़नी थी, तो वो घड़ी देख रहा था."

किस फिल्म का गाना था 'तुमको देखा तो ये ख्याल आया'?

4 मार्च 1982 को आई फिल्म 'साथ-साथ' का ये गाना है, जिसका निर्देशन रमण कुमार ने किया था, जबकि इसे दिलीप धवन ने प्रोड्यूस किया था. फिल्म में कुलदीप सिंह का म्यूजिक था और 'तुमको देखा तो ये ख्याल आया' गजल, जिसे जगजीत सिंह और चित्रा सिंह ने गाया था. इस फिल्म में फारुख शेख और दीप्ति नवल लीड रोल में थे, जबकि सतीश शाह, नीना गुप्ता, गीता सिद्धार्थ और राकेश बेदी जैसे कलाकार नजर आए थे. बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म औसत थी, लेकिन इसके गाने हिट हुए थे खासकर 'तुमको देखा तो ये ख्याल आया'.

फिल्म 'थलापति 69' को लेकर आया बड़ा अपडेट

निर्देशक एच विनोथ की आगामी फिल्म का फर्स्ट लुक और शीर्षक, जिसमें तमिल अभिनेता विजय थलपथी मुख्य भूमिका में हैं, गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी को जारी किया जाएगा, इसके निर्माताओं ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर घोषणा की। इस खबर ने अभिनेता विजय के प्रशंसकों को रोमांचित कर दिया है, जो उम्मीद कर रहे हैं कि वह फिल्म के बाद सिनेमा को पूरी तरह से छोड़ने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करेंगे। इस फिल्म में पूजा हेगड़े मुख्य भूमिका में होंगी, साथ ही बॉलीवुड अभिनेता बॉबी देओल, मलयालम अभिनेत्री ममिता बैजू, निर्देशक गौतम वासुदेव मेनन, अभिनेत्री प्रियामणि और अभिनेता प्रकाश राज भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में होंगे।

इस फिल्म के लिए अनिरुद्ध संगीत तैयार कर रहे हैं। थलपथी 69 से बॉक्स ऑफिस के रिकॉर्ड तोड़ने की उम्मीद है, क्योंकि इस फिल्म से उम्मीदें आसमान छू रही हैं, क्योंकि यह आधिकारिक तौर पर विजय की आखिरी फिल्म होगी।

इंडस्ट्री में चल रही अफवाहों से पता चलता है कि फिल्म के निर्माता, अन्य बातों के अलावा, इस साल अक्टूबर या दिवाली पर रिलीज की संभावना थी। लेकिन अब फिल्म मेकर्स अगले साल 2026 पोंगल के लिए

फिल्म को रिलीज करने की संभावना पर विचार कर रहे हैं।इस बीच, कुछ वर्गों का मानना है कि यह फिल्म तेलुगु फिल्म भगवंत केसरी की तमिल रीमेक हो सकती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि तमिल अभिनेता वीटीवी गणेश ने संक्रांतिकी वस्तूनम के प्रचार के दौरान कहा था कि विजय 'भगवंत केसरी' से प्रभावित होकर निर्देशक अनिल रविपुडी से इसे तमिल में रीमेक करने के लिए संपर्क किया था, लेकिन अनिल ने प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था। हालांकि, इस दावे के बारे में थलापति 69 के निर्माताओं की ओर से कोई पुष्टि नहीं की गई है।

सोफ़िया अंसारी ने नहाते हुए कराया फोटोशूट

सोशल मीडिया सेंसेशन सोफिया अंसारी अपनी बोल्डनेस के लिए काफी मशहूर हैं. वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपने फोटोज और वीडियोज फैंस के साथ साझा करती नजर आ जाती हैं. सोफिया की हर एक तस्वीर पर केवल चंद मिनटों में ही लाखों की संख्या में लाइक्स आ जाते हैं. अब हाल ही में उनके लेटेस्ट फोटोज सामने आए हैं, जिनमें सोफिया अंसारी अपने बोल्ड अवतार से फैंस के होश उड़ा रही हैं. इस तस्वीर में सोफिया अंसारी भीगे बालों में बेहद ही बोल्ड लग रही हैं. उनकी इन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर धड़ल्ले से शेयर किया जा रहा है.इन तस्वीरों में सोफिया अंसारी न्यूड होकर बाथ टब में नहाती दिख रही हैं. फोटो में उनका सेंसुअस अंदाज लोगों को खूब लुभा रहा है.

इस तस्वीर में सोफिया अंसारी बबल्स से खेलती दिख रही हैं. फोटो में वह बला की खूबसूरत लग रही हैं.इस तस्वीर में सोफिया अंसारी बाथटब में अपनी कातिलाना स्माइल से फैंस के होश उड़ा रही हैं. उनकी यह तस्वीर फैंस को खूब लुभा रही है. इस तस्वीर में सोफिया अंसारी बबल्स को अपने सिर पर रखकर बाथटब में एंजॉय कर रही हैं. सोफिया फोटो में अपने लुक्स से कहर ढा रही हैं.

टल सकती है ऋतिक रोशन की मूवी की रिलीज डेट

बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन मोस्ट अवेटेड मूवी है कृष-4। इसका इंतजार दर्शकों को 2018 से जब इसकी पहली बार अनाउंसमेंट हुई थी। हाल ही में ऋतिक रोशन के पिता राकेश रोशन ने इस पर अपडेट शेयर की है। उन्होंने बताया है कि इस मूवी का काम कहां तक पहुंचा और क्या इस फिल्म की शूटिंग डिले हो सकती है। प्रोड्यूसर और डायरेक्टर राकेश रोशन ने एक इंटरव्यू में 'कृष 4' पर बात की। उन्होंने फैंस को बताया की इस मूवी की स्क्रिप्ट रेडी है। राकेश ने कहा- 'कृष 4 जल्द ही बनने वाली है। असल में इस फिल्म के बजट को लेकर बार-बार समस्या आ रही है। ये एक बहुत बड़े बजट की फिल्म है जिसे बड़े स्केल पर बनाया जा रहा है।'उन्होंने आगे कहा- अगर हम बजट कट करते हैं तो स्टोरीलाइन से समझौता करना पड़ेगा और मैं इस फिल्म को लेकर किसी भी तरह का समझौता नहीं करना चाहता। मैं सही बजट के साथ सही स्केल की फिल्म बनाना चाहता हूं और जब ऐसा होगा तभी मैं इसकी शूटिंग शुरू करूंगा।"कुछ समय पहले खबर आई थी कि 'कृष 4' की शूटिंग ऋतिक रोशन जल्द शुरू कर सकते हैं। कहा जा रहा था कि वो अपनी फिल्म 'वॉर 2' से फारिग होने के बाद इसकी शूटिंग शुरू करेंगे। 2025 अप्रैल तक इसकी शूटिंग चलेगी। लेकिन अब राकेश रोशन के बयान से लगता है कि ये फिल्म डिले हो सकती है क्योंकि अभी तक इसके लिए प्रोड्यूसर और बजट दोनों का इंतजाम नहीं हुआ है। यानी अभी कृष-4 का इंतजार कर रहे फैंस को थोड़ा और धैर्य रखना होगा।

बेटे अब्राम संग अस्पताल पहुंचे शाहरुख़ खान

बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'किंग' को लेकर काफी सुर्खियों में हैं. इस मूवी में सुहाना खान भी लीड रोल निभाती नजर आएंगी. इस फिल्म को लेकर फैंस में काफी एक्साइटमेंट है और अब रिपोर्ट्स में भी सामने आ रहा है कि शाहरुख जल्द ही 'किंग' (King) की शूटिंग शुरू कर सकते हैं. इसी बीच एक्टर का एक वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे देखकर फैंस टेंशन में आ गए हैं. दरअसल एक्टर हाल ही में अपने छोटे बेटे अबराम को लेकर अस्पताल पहुंच गए, ऐसे में अब हर कोई यह जानना चाहता है कि शाहरुख और उनके परिवार में सब कुछ ठीक है या नहीं?

बता दें कि अबराम का डेंटल चेकअप था और इसी वजह से शाहरुख खान बेटे को लेकर अस्पताल पहुंचे थे.

बना हुआ है टॉक्सिक का एक शानदार बज

फिल्म केजीएफ की सफलता के बाद यश फैंस के बीच एक बार फिर आ रहे हैं। उनके फैंस उनकी नई फिल्म टॉक्सिक का इंतजार कर रहे है। फिल्म टॉक्सिक का एक शानदार बज बना हुआ है। यश के बर्थडे पर फिल्म टॉक्सिक का टीजर रिलीज किया गया था। जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया था। उसमे यश का लुक केजीएफ मूवी के किरदार रॉकी भाई से काफी ज्यादा मिलता-जुलता लग रहा था। अब फिल्म को लेकर नया बड़ा अपडेट आया है। जिसे सुनकर फैंस खुश हो रहे हैं।फिल्म टॉक्सिक को लेकर चारों तरफ चर्चा हैं। फिल्म पर अपडेट आ रहा है कि इस फिल्म में कियारा आडवाणी की भी धांसू एंट्री हो गई है। साथ ही नयनतारा को लेकर भी खबर आई है। पिंकविला की रिपोर्ट के अनुसार कहा जा रहा है कि यश और कियारा आडवाणी का फिल्म में एक डांस नंबर होगा। जिसकी शूटिंग पूरी हो गई है। शूटिंग गोवा में वास्तविक स्थानों पर की गई है। इसकी कोरियोग्राफी गणेश आचार्य ने की है। इस गाने में कियारा आडवाणी और यश के बीच केमिस्ट्री की तारीफ हो रही है। यह डांस नंबर यश के फैंस के लिए काफी शानदार होने वाली है क्योंकि यश काफी लंबे अरसे बाद डांस में वापसी कर रहे हैं। वहीं, मेकर्स को पूरा भरोसा है कि केजीएफ 2 की तरह यश की ये फिल्म भी चार्ट बूस्टर साबित होने वाली है।बता दें, डिजिटल कमेंट्री को दिए गए इंटरव्यू में अक्षय ओबेरॉय ने इस बात का खुलासा किया है कि यश के अलावा नयनतारा भी फिल्म का हिस्सा होंगी। उन्होंने बताया, "मैं अभी रॉकिंग स्टार यश के साथ टॉक्सिक की शूटिंग कर रहा हूं। नयनतारा भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। मैं फिल्म की कास्ट के बारे में ज़्यादा बात नहीं करना चाहता क्योंकि टीम को यह पसंद नहीं आएगा। मुझे गीतू मोहनदास बहुत पसंद हैं, जो इस फिल्म की डायरेक्टर हैं।" इससे पहले, ऐसी अफवाहें सामने आई थीं कि नयनतारा ने 'टॉक्सिक' में करीना कपूर खान की जगह ली है और वह फिल्म में एक अहम भूमिका निभाएंगी। फिल्म टॉक्सिक की रिलीज पर भी कहा जा रहा है कि ये फिल्म 2025 के आखिर में रिलीज की जा सकती है।

रणजी ट्रॉफी - विदर्भ ने राजस्थान के खिलाफ बनाई बढ़त

विदर्भ दूसरी पारी 358 /7 कप्तान वाडेकर नॉटआउट 102

नागपुर.

जयपुर में के एल सैनी स्टेडियम में खेले जा रहे रणजी ट्रॉफी एलिट ग्रुप बी मुकाबले में विदर्भ ने राजस्थान के खिलाफ मजबुत स्थिति में पहुँच गई है. तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक विदर्भ अपनी दूसरी पारी में सात विकेट पर 358 रन बनाकर 258 रन की बढ़त ली है. मैच के तीसरे दिन राठौड़ की बेहतरीन 98 रन व कप्तान अक्षय वाडेकर की नाबाद 102 रन की बदौलत विदर्भ 7 विकेट खोकर 358 बनाये है. राठौड़ अपने शतक से सिर्फ 2 रन दूर थे.जब अहमद ने बोल्ड आउट कर दिया.खेल समाप्त होने तक अक्षय वाडेकर 102 व हर्ष दुबे बिना खाता खोले क्रीज पर मौजूद है.राजस्थान की और से ए बी कूकना ने 3 विकेट, एम जे सुथार 2 विकेट,यस के अहमद व ए चौधरी ने क्रमशः 1-1 विकेट लिया. आज मैच का अंतिम दिन है.

विदर्भ मजबूत स्थिति में

पहली पारी में विदर्भ 100 रन से पीछे था.व राजस्थान ने पहली पारी में 265 रन बनाये थे. और इस तरह विदर्भ के ऊपर पहली पारी में 100 रन की बढ़त बना ली थी. लेकिन विदर्भ की दूसरी पारी भी बेहद कमजोर शुरुआत हुई थी. लेकिन राठौड़ व कप्तान वाडेकर ने धैर्य के साथ 8 वे विकेट की साझेदारी में 119 रन बनाकर विदर्भ को मजबूत स्थित में ला दिए.

नूतन भारत और शौर्य स्पोर्ट्स को मिली मल्लखंब में जीता

नागपुर.

केंद्रीय मंत्री नितीन गडकरी की संकल्पना से साकार हुए खासदार क्रीड़ा महोत्सव के मल्लखंब प्रतियोगिता में नूतन भारत विद्यालय और शौर्य स्पोर्ट्स अकादमी ने लड़कों और लड़कियों के वर्ग में टीम चैम्पियनशिप का खिताब जीता। यह प्रतियोगिता बापू नगर, भांडे प्लॉट में आयोजित की गई।

लड़कों के वर्ग में नूतन भारत विद्यालय नागपुर ने 73.65 अंकों के साथ प्रथम स्थान हासिल किया। केशवनगर हायस्कूल संघ ने 71.75 अंकों के साथ उपविजेता स्थान प्राप्त किया, जबकि 68.23 अंकों के साथ शौर्य स्पोर्ट्स अकादमी ने तीसरा स्थान पाया। लड़कियों के वर्ग में शौर्य स्पोर्ट्स अकादमी ने 101.60 अंकों के साथ विजेता बनकर अपना दबदबा कायम किया। वीरांगण क्रीड़ा संस्था (98.35 अंक) दूसरे स्थान पर रही, जबकि नूतन भारत विद्यालय (86.97 अंक) तीसरे स्थान पर रहा। लड़कों और लड़कियों में वेदांत सूर्यवंशी और शाल्मली सुर्जीकर को बेहतरीन खिलाड़ी का खिताब मिला। दोनों ने स्वर्ण पदक जीते। वंश कुलुरकर और अथर्व बडिये ने लड़कों में, जबकि संस्कृती और ओवी खुडे ने लड़कियों में रजत और कांस्य पदक प्राप्त किए।

बॉक्स

निकाल (सुवर्ण, रौप्य, कांस्य)

18 साल ऊपर के बच्चे

हँगिंग : पार्थ लाखडे (फ्युचर), नैतिक कुकडे (केशव नगर), रवींद्र चोपकर (नूतन)

रोप : पार्थ लाखडे (फ्युचर), नैतिक कुकडे (केशव नगर), रवींद्र चोपकर (नूतन)

पोल : नैतिक कुकडे (केशव नगर), पार्थ लाखडे (फ्युचर), रवींद्र चोपकर (नूतन)

16 साल से कम उम्र की लड़कियां

रोप : संस्कृती गाढवे (वीरांगन), समृद्धी बांगरे (फ्युचर), अंशीका लाखोडे (फ्युचर)

पोल : संस्कृती गाढवे (वीरांगन), समीक्षा कावडे (केशव नगर), शिवानी दुबळे (फ्युचर)

18 वर्ष से कम उम्र के बच्चे

हँगिंग : वंश कुलुरकर (वीरांगन), प्रेम शाहू (केशव नगर), अथर्व बडिये (शौर्य)

रोप : वंश कुलुरकर (वीरांगन),अथर्व बडिये (शौर्य), प्रेम शाहू (केशव नगर)

पोल : अथर्व बडिये (शौर्य), वंश कुलुरकर (वीरांगन), प्रेम शाहू (केशव नगर)

16 साल से कम उम्र की लड़कियां

रोप : शाल्मली सुर्जीकर (वीरांगन), खुशी कानडे (वीरांगन), सई बरडे (वीरांगन)

पोल : शाल्मली सुर्जीकर (वीरांगन), खुशी कानडे (वीरांगन), अलभ्या पंचखेडे (शौर्य)

14 वर्ष से कम उम्र के बच्चे

पोल : वेदांत सूर्यवंशी (वीरांगन), श्राव्य घोडवैद्य (शौर्य), सोहम शाहू (केशव नगर)

रोप : वेदांत सूर्यवंशी (वीरांगन), सोहम शाहू (केशव नगर), श्राव्य घोडवैद्य (शौर्य)

14 वर्ष से कम आयु की लड़कियाँ

पोल : ओवी कुकडे (वीरांगन), आराध्या येडे (शौर्य), वैभवी निमकर (वीरांगन)

रोप : ओवी कुकडे (वीरांगन), वैभवी निमकर (वीरांगन), आराध्या येडे (शौर्य)

आर्यन ने बिहार के खिलाफ रणजी ट्रॉफी में जड़ा दोहरा शतक

नई दिल्ली.भारत में एक तरफ जहां टीम इंडिया और इंग्लैंड के बीच टी20I सीरीज की धूम मची हुई है तो दूसरी तरफ घरेलू क्रिकेट का प्रतिष्ठित टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफी स्टार खिलाड़ियों की वजह से चर्चा में बनी हुई है। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर फेल होने वाले कई भारतीय खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी 2024-25 के छठे राउंड में खेल रहे हैं। इनमें रोहित शर्मा, ऋषभ पंत, यशस्वी जायसवाल, रवींद्र जडेजा जैसे कई बड़े खिलाड़ी शामिल हैं। इन बड़े चेहरों के बीच लखनऊ सुपर जायंट्स यानी एलएसजी के एक बल्लेबाज ने दोहरा शतक जड़ते हुए कोहराम मचा दिया है। ये दोहरा शतक उत्तर प्रदेश और बिहार के बीच खेले जा रहे मुकाबले में देखने को मिला।उत्तर प्रदेश के कप्तान आर्यन जुयाल ने बिहार के गेंदबाजों की कमर तोड़ने हुए शानदार दोहरा शतक लगा दिया। उन्होंने 256 गेंदों का सामना करते हुए 18 चौके और 1 छक्के की मदद से नाबाद 200 रन बनाए। आईपीएल 2025 से पहले जुयाल के बल्ले से निकला ये दोहरा शतक लखनऊ सुपर जायंट्स के खेमे को खुश करने वाला है। आर्यन जुयाल आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर खेलते नजर आएंगे। इससे पहले वह 5 बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस का हिस्सा थे।

जुयाल के दोहरे शतक की बदौलत यूपी की टीम ने अपनी पहली पारी 603/2 रन के स्कोर पर घोषित की। जुयाल के अलावा अभिषेक गोस्वामी ने 198 और करन शर्मा ने 118 रनों की पारी खेली। वहीं, माधव शर्मा ने 63 रनों का योगदान दिया। इस मैच में बिहार की पहली पारी 248 रनों पर सिमट गई थी। इसके बाद यूपी ने 602 रन बनाते हुए 354 रनों की बढ़त हासिल कर ली।

साल 2018 में घरेलू क्रिकेट में कदम रखने वाले युवा जुयाल ने 17 साल की उम्र में यूपी के लिए साल 2019 में फर्स्ट क्लास क्रिकेट में डेब्यू किया था। वह अब तक 25 फर्स्ट क्लास मैचों 40 से ज्यादा के औसत से 1661 रन बना चुके हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 6 शतक और 6 अर्धशतक आ चुके हैं। इन 6 शतकों में 2 दोहरे शतक शामिल हैं। आर्यन जुयाल 2018 में अंडर-19 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा रहे थे। इसके बाद उन्होंने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के दम पर आईपीएल 2023 में मुंबई इंडियंस में जगह बनाई और अब वह लखनऊ सुपर जायंट्स टीम का हिस्सा हैं।

त्रिवेदी ने काता स्पर्धा में जीता स्वर्ण पदक

अहमदाबाद.

यह सच में एक बड़ी खबर है! दिवेश त्रिवेदी ने 55-60 वर्ष आयु वर्ग में काता स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर न केवल अपनी कराटे कौशल का प्रदर्शन किया, बल्कि यह भी दिखाया कि कराटे जैसी चुनौतीपूर्ण खेल में उम्र कोई बाधा नहीं बनती। उनका यह सम्मानित जीत न केवल उनके व्यक्तिगत प्रयास का प्रतीक है, बल्कि यह अन्य लोगों को भी प्रेरित करेगा कि वे जीवन के किसी भी पड़ाव में अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रह सकते हैं। पश्चिम रेलवे के दिवेश त्रिवेदी ने काता स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल के मुख्य कार्यालय अधीक्षक/परिचालन विभाग श्री त्रिवेदी ने 55 से 60 वर्ष आयु वर्ग में एक्सआईआई जेकेएआई (जापान कराटे एसोसिएशन ऑफ इंडिया) सीनियर कराटे चैंपियनशिप के काटा

टैलेंटेड खिलाड़ी की अनदेखी पर भड़के हरभजन

नई दिल्ली.

भारत के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए चुनी गई भारतीय टीम को लेकर एक बार फिर सेलेक्टर्स पर निशाना साधा है। पहले उन्होंने करुण नायर को नहीं चुनने पर आपत्ति जाहिर की थी तो वहीं अब संजू सैमसन और युजवेंद्र चहल को नजरअंदाज किए जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया जताई है। भज्जी ने हैरानी जताते हुए कहा कि मुझे सच में उनके लिए बुरा लग रहा है। संजू सैमसन रन बनाते हैं और फिर भी उन्हें बाहर कर देते हैं। वहीं, चहल भी शानदार गेंदबाज हैं। मुझे नहीं पता कि चहल ने क्या गलत किया कि वे टीम में फिट नहीं बैठते। हरभजन सिंह ने कहा कि मुझे पता है कि सिर्फ 15 खिलाड़ी ही चुन सकते हैं, लेकिन संजू की बल्लेबाजी इस फॉर्मेट के लिए परफेक्ट है। संजू सैमसन का औसत 55-56 का है, लेकिन फिर भी उन्हें बतौर दूसरे विकेटकीपर भी टीम में जगह नहीं दी गई। जब उनके चयन की बात होती है तो लोग पूछते हैं कि किसकी जगह? मेरा मानना है कि जगह बनाई जा सकती है। चहल शानदार गेंदबाज हैं। मुझे नहीं पता कि चहल ने क्या गलत किया कि टीम में फिट नहीं बैठते।

भज्जी ने आगे कहा कि यशस्वी जायसवाल चैंपियंस ट्रॉफी में ओपनिंग करते नजर आएंगे। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए जायसवाल को पहली बार भारत की वनडे टीम में शामिल किया गया है। हालांकि शुभमन गिल को उप-कप्तान बनाने के कारण इस बात की संभावना कम है। उन्होंने कहा कि मुझे लगा कि जायसवाल ओपनिंग करेंगे, लेकिन अब मुझे ऐसा नहीं लग रहा। शुभमन गिल ही ओपनिंग करेंगे। जायसवाल तीसरे या चौथे नंबर पर भी नहीं आएंगे, क्योंकि वे नंबर पहले से ही कोहली और अय्यर के लिए हैं।

भज्जी ने ना सिर्फ संजू, बल्कि युजवेंद्र चहल को नजरअंदाज किए जाने पर बेहद तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि सेलेक्टर्स को चहल को टीम में शामिल करना चाहिए था। संजू टीम में नहीं हैं और युजवेंद्र चहल भी नहीं हैं। आपने 4 स्पिनर टीम में शामिल किए, उनमें से दो बाएं हाथ के हैं। विविधता के लिए आप एक लेग स्पिनर को भी टीम में चुन सकते थे।

न्यूजीलैंड की इस खिलाड़ी ने लिया ब्रेक

नई दिल्ली.

आगामी महिला प्रीमियर लीग में न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) की ओर से खेलती हुई नहीं नजर आएंगी। दरअसल, 35 वर्षीय खिलाड़ी ने लीग क्रिकेट से ब्रेक लेने का निर्णय किया है। हालाकि न्यूजीलैंड क्रिकेट ने इसका कारण नहीं बताया, लेकिन कहा है कि उसने पेशेवर सलाह के आधार पर यह निर्णय लिया है।

इसका मतलब यह है कि सोफी डिवाइन न्यूजीलैंड में सुपर स्मैश में भी खेलते हुए नहीं नजर आएंगी, जहां उन्होंने वेलिंग्टन में पांच विकेट झटके थे। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने इस बात पर जोर दिया है कि खिलाड़ी की भलाई प्रथामिकता है। सोफी डिवाइन के ब्रेक के निर्णय को उसका पूरा समर्थन हैं। उनके खेलने के संबंध में घोषणा बाद में की जाएगी।सोफी डिवाइन ने न्यूजीलैंड के लिए 143 महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 120.93 की स्ट्राइक रेट और 28.25 की

औसत से कुल 3391 रन बनाए हैं, जिसमें 21 अर्द्धशतक और एक शतक शामिल हैं। टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनका सर्वोच्च स्कोर 105 रन हैं। वहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 143 टी-20 मैच में 6.58 की इकॉनमी से कुल 117 विकेट झटके हैं, जिसमें एक बार चार विकेट भी चटकाए हैं।सोफी डिवाइन ने महिला प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए 18 टी-20 मैच में 153.43 की औसत से कुल 402 रन बनाए हैं, जिसमें 2 अर्द्धशतक शामिल हैं। डब्ल्यूपीएल में उनका सर्वोच्च स्कोर 99 रन हैं।

डब्ल्यूपीएल में उन्होंने 18 मैचों में 8.37 की इकॉनमी से कुल 9 विकेट झटके हैं।डब्ल्यूपीएल 2024 में आसीबी के खिताबी अभियान का हिस्सा रहीं सोफी डिवाइन को 2025 की नीलामी से पहले बरकरार रखा गया था। 2024 के सीजन में उन्होंने 10 मैचों में 136 रन बनाए और छह विकेट लिए।WPL 2025 का आगाज 14 फरवरी से होगा। इस दिन वडोदरा में गुजरात जायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच मुकाबला खेला जाएगा।

शाहवेज ने 40 मीटर भाला फेंककर जीता स्वर्ण पदक

मेरठ. पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन की ओर से शुक्रवार को कैलाश प्रकाश स्पोर्ट्स स्टेडियम में पैरा एथलेटिक्स व पैरा पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता कराई गई। इसमें खिलाड़ियों ने एक से बढ़कर एक प्रदर्शन किया। शाहवेज ने 40 मीटर भाला फेंककर स्वर्ण पदक जीता। खेलों का शुभारंभ क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी डॉ. अतुल सिन्हा ने किया। पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अश्वनी गुप्ता ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। डिस्कस थ्रो में महिला वर्ग में सायरा ने पहला स्थान प्राप्त किया। शॉटपुट में महिला वर्ग में शबी प्रथम और पुरुष वर्ग में गौरव अव्वल रहे। 100 मीटर दौड़ में गौरव ने बाजी मारी। अनमोल, आशीष, नितिन, शेखर, वैष्णवी, दीपिका, रिया, सीमा, सुधीर, अंकुल और रवि कुमार ने अपने-अपने इवेंट में पदक जीते।

इस मौके पर अंतरराष्ट्रीय पैरा खिलाड़ी फातिमा, अनमोल, आयुष, उमेश, शाहवेज, प्रिंस आदि मौजूद रहे। प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन वाले खिलाड़ियों का चयन 1 व 2 फरवरी को बरेली में होने वाली प्रदेश स्तरीय पैरा एथलेटिक प्रतियोगिता के लिए होगा। प्रतियोगिता के दौरान पंडित सतीश शर्मा, मनीष, गौरव त्यागी आदि भी मौजूद रहे।

पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज को 163 रन पर समेटा

नई दिल्ली.

पाकिस्तान के बाएं हाथ के स्पिनर नोमान अली ने आज शनिवार को टेस्ट क्रिकेट में हैट्रिक हासिल करने वाले पहले पाकिस्तानी स्पिनर बनकर क्रिकेट के इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया। 38 वर्षीय नोमान ने मुल्तान क्रिकेट स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे और अंतिम टेस्ट के पहले दिन यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। नोमान की हैट्रिक मैच में एक महत्वपूर्ण क्षण था, क्योंकि सुबह के सत्र के अंत तक मेहमान टीम 44 रन पर 7 विकेट खो चुकी थी। नोमान की हैट्रिक ने उन्हें पाकिस्तानी गेंदबाजों के एक विशिष्ट समूह में शामिल कर दिया, जिससे वह टेस्ट क्रिकेट में यह उपलब्धि हासिल करने वाले देश के इतिहास में 5वें गेंदबाज बन गए। सबसे पहले पाकिस्तान के लिए तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने 1997 में हैट्रिक ली थी। वहीं, नसीम शाह चौथे

आखिरी पाकिस्तानी तेज गेंदबाज हैं, जिन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ 2020 में यह उपलब्धि हासिल की थी।

स्पिन के अनुकूल मुल्तान ट्रैक पर पहले बदलाव के गेंदबाज के रूप में आते हुए नोमान ने सटीकता और चालाकी के साथ वेस्टइंडीज के बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त करना शुरू कर दिया। उन्हें पहली सफलता अपने दूसरे ओवर में वेस्टइंडीज के कप्तान क्रैग ब्रैथवेट के रूप में मिली। फिर पारी के 12वें ओवर में नोमान की हैट्रिक आई।उन्होंने हैट्रिक में सबसे पहले जस्टिन ग्रीव्स को आउट किया, जिन्होंने एक ड्राइव का प्रयास किया, लेकिन गेंद स्लिप कॉर्डन में चली गई। फिर टेविन इमलाच एक असफल स्वीप शॉट के चक्कर में उनका दूसरा शिकार बने। हैट्रिक डिलीवरी के लिए नोमान ने जबरदस्त कौशल दिखाते हुए केविन सिंक्लेयर को ड्राइव को आमंत्रित करने के लिए गेंद को ऊपर फेंका। सिंक्लेयर ने गेंद को किनारे से मारा और गली में खड़े बाबर आजम ने शानदार लो कैच लेकर ऐतिहासिक पल को यादगार बना दिया।

धामी ने लिया राष्ट्रीय खेलों की तैयारियों का जायजा

देहरादून.

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आगामी 28 जनवरी से राज्य में होने वाले 38वें राष्ट्रीय खेल की विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। शनिवार को उन्होंने महाराणा प्रताप स्टेडियम देहरादून का स्थलीय निरीक्षण किया। राष्ट्रीय खेलों का शुभारंभ देहरादून में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे।

श्री धामी ने राष्ट्रीय खेल की तैयारियों की समीक्षा के दौरान, अधिकारियों को निर्देश दिये कि खिलाड़ियों और आगन्तुकों की सुविधा के दृष्टिगत, सभी व्यवस्थाएं बेहतर बनाई जाय। स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए। राष्ट्रीय खेलों के शुभारंभ अवसर पर जनपद और ब्लॉक स्तर पर एलईडी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि लोग लाइव प्रसारण सुगमता से देख सकें। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड को राष्ट्रीय स्तर पर अलग छवि बनाने का यह सुनहरा अवसर है।

कर्नाटक ने पंजाब को 207 रनों से हराया

नई दिल्ली.

शुभमन गिल ने बेहतरीन शतक लगाकर अपनी क्लास और लचीलेपन का परिचय दिया, लेकिन उनके प्रयास पंजाब को शनिवार को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रणजी ट्रॉफी ग्रुप सी के मुकाबले में कर्नाटक के खिलाफ पारी और 207 रनों से हार से बचाने के लिए काफी नहीं थे। कप्तान की वीरता के बावजूद, पंजाब की कमजोर बल्लेबाजी लाइनअप कर्नाटक की प्रभावशाली गेंदबाजी और बल्लेबाजी का सामना नहीं कर सकी।शनिवार को तीसरे दिन 7 के स्कोर पर खेल शुरू करते हुए, गिल ने पंजाब की दूसरी पारी की कमान संभाली और 171 गेंदों पर 102 रनों की शानदार पारी खेली। 25 वर्षीय सलामी बल्लेबाज ने अपनी ट्रेडमार्क शान और आक्रामकता का प्रदर्शन करते हुए 14 चौके और तीन छक्के लगाए।

गिल ने धैर्य और संयम का परिचय देते हुए 119 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। हालांकि, उन्होंने अपनी पारी के उत्तरार्ध में तेजी दिखाई और अगले 50 रन सिर्फ 40 गेंदों पर बनाए। पंजाब की खराब बल्लेबाजी में उनकी धाराप्रवाह बल्लेबाजी ही मुख्य आकर्षण रही।

गिल कप्तान यशोवर्धन परंतप की गेंद पर आउट होने वाले आठवें बल्लेबाज थे। गिल का शतक, जो इस रणजी ट्रॉफी सत्र में उनका पहला शतक था, उम्मीद की किरण लेकर आया, लेकिन अंततः पंजाब की पारी को बचा नहीं सका।

पंजाब की मुश्किलें पहली पारी में ही शुरू हो गईं, जहां वे महज 55 रन पर आउट हो गए, जिसमें गिल ने सिर्फ चार रन बनाए। कर्नाटक के पहली पारी के 475 रनों के विशाल स्कोर के बाद 420 रनों के चुनौतीपूर्ण अंतर का सामना करते हुए, पंजाब को एक कठिन संघर्ष का सामना करना पड़ा।दूसरे दिन के अंत तक, पंजाब अपनी दूसरी पारी में 2 विकेट पर 24 रन बनाकर संघर्ष कर रहा था। तीसरे दिन गिल के शतक के बावजूद, टीम 63.4 ओवर में 213 रनों पर ढेर हो गई। गिल के अलावा कोई भी बल्लेबाज खास प्रतिरोध नहीं कर सका। मयंक मार्कंडे (27) दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे।कर्नाटक ने मैच में शुरू से ही दबदबा बनाए रखा, उनकी पहली पारी में रविचंद्रन स्मरण के पहले दोहरे शतक (203) की बदौलत टीम ने जीत दर्ज की। तेज गेंदबाज यशोवर्धन परंतप और लेग स्पिनर श्रेयस गोपाल की अगुआई में उनके गेंदबाजी आक्रमण ने पंजाब को दोनों पारियों में ध्वस्त कर दिया। दोनों ने पंजाब की दूसरी पारी में तीन-तीन विकेट चटकाए, जिससे पारी की जीत सुनिश्चित हुई।

दिल्ली में बीजेपी का संकल्प पत्र पार्ट-3 जारी

> शाह बोले-ये कोरे वादे नहीं

नई दिल्ली.

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए संकल्प पत्र का पार्ट-3 जारी कर दिया है. पार्टी की ओर से लगातार तीसरी बार कई बड़े ऐलान किए गए हैं. संकल्प पत्र को जारी करते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि यह केवल कोरे वादे नहीं हैं. हम चुनाव को गंभीरता से लेते हैं. इस दौरान शाह ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल पर भी निशाना साधा. उन्होंने कहा कि 5 साल में हम दिल्ली की सभी समस्याओं का अंत करेंगे, हम दिल्ली की जनता से अपील करते हैं झूठ, फरेब की राजनीति को दंड दीजिए. एक भी गरीब कल्याण की योजना दिल्ली में बंद नहीं की जाएगी. पीएम मोदी खुद भी ऐसा बोल चुके हैं.

शाह ने कहा कि दिल्ली की जनता केजरीवाल से जवाब मांग रही है. यह कहकर आए थे कि हम हम गाड़ी नहीं लेंगे, बंगला नहीं लेंगे, सुरक्षा नहीं लेंगे, लेकिन अब दिल्ली की जनता उनसे जवाब मांग रही है.

दिल्ली में बड़े-बड़े घोटाले हुए लेकिन हमने किसी शिक्षा मंत्री को घोटाला करते हुए नहीं देखा. उन्होंने कहा था कि 7 साल में यमुना को साफ कर दूंगा और दिल्ली वालों के सामने डुबकी लगाउंगा. मैं कहना चाहता हूं कि दिल्ली की जनता आपकी राह देख रही है कि आखिर आप यमुना में डुबकी कब लगाओगे. आप अगर यमुना में डुबकी नहीं सकते हैं तो महाकुंभ में डुबकी लगा आइए. 1700 अनधिकृत कॉलोनियों को संपूर्ण मालिकाना हक देंगे.13000 सील दुकानों को दोबारा खोला जाएगा. शरणार्थी कॉलोनियों को भी मालिकाना हक देने का काम करेंगे. पाकिस्तान से आए हुए सभी शरणार्थियों को मालिकाना हक देंगे. दिल्ली के युवाओं के 50 हजार सरकारी नौकरियां देंगे. 20 हजार करोड़ के निवेश के माध्यम से इंटीग्रेटेड पब्लिक नेटवर्क बनाएंगे. टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए यूपी और हरियाणा सरकार के साथ मिलकर कॉरिडोर बनाए. यमुना रिवर विकास फ्रंट बनाएंगे जो साबरमती के तरह होगा. 13000 बसों को ई बस में कन्वर्ट करके दिल्ली को 100 प्रतिशत ई बस सेवा देंगे. ग्रीक वर्कर्स वेलफेयर बोर्ड बनाएंगे. टेक्सटाइल वर्कर्स को भी हम वित्तीय लाभ देंगे, 10 लाख का बीमा और 5 लाख दुर्घटना बीमा देंगे.

'दिल्ली में मोहल्ला क्लीनिक के नाम पर घोटाला हुआ'

उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली में मोहल्ला क्लीनिक के नाम पर घोटाला किया गया. दिल्ली के अस्पतालों में बेड की संख्या डबल करने, 24 घंटे स्वच्छ जल, शुद्ध हवा देने का वादा भी आपने पूरा नहीं किया. करप्शन मुक्त करने का वादा किया था, लेकिन आपके जितने भी एमएलए, एमपी, आप और आपके मंत्री भ्रष्टाचार के मामले में ही जेल गए. बेल को क्लीन चीट बताकर आप आरोपों से बच नहीं सकते हैं. आज पूरी दिल्ली की जनता कूड़े से परेशान है. दिल्ली में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का वादा भी किया था, लेकिन खिलाड़ी आज भी उसे खोज रहे हैं.

ट्रंप संतुलित दृष्टिकोण अपनाने को तैयार

नई दिल्ली. अमेरिका के राष्ट्रपति के तौर पर डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत हो चुकी है। दूसरे कार्यकाल में ट्रंप प्रशासन व्यापार नीतियों के लिए अधिक संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की तैयारी में है। येस सिक्योरिटीज की रिपोर्ट में बताया गया कि ट्रंप 2.0 उनके पहले कार्यकाल की आक्रामक टैरिफ नीतियों से अधिक संतुलित दृष्टिकोण की ओर बदलाव का सुझाव देती है। इसमें व्यापार वार्ता भी शामिल है। अपने पहले कार्यकाल के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने व्यापार असंतुलन को दूर करने और अमेरिकी राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए टैरिफ को अक्सर प्राथमिक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया है। उनकी इस नीति ने वैश्विक व्यापार को बाधित किया और कई देशों के संबंधों में तनाव डाल दिया। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया कि ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में अधिक गणनात्मक दृष्टिकोण होगा। ट्रंप के पहले कार्यकाल के बाद से वैश्विक व्यापार परिदृश्य भी विकसित हुआ है। मौजूदा समय में कई देश व्यापार मामलों पर अमेरिका के साथ जुड़ने के लिए बेहतर ढंग से तैयार हैं।

भारत के दौरे पर इंडोनेशिया के राष्ट्रपति

नई दिल्ली.

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो भारत के 76वें गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि हैं. सुबियांतों भारत पहुंच चुके हैं. उनका स्वागत राष्ट्रपति और पीएम मोदी ने किया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्राबोवो सुबियांतो ने दिल्ली के हैदराबाद हाउस में आज यानी शनिवार को प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की. प्राबोवो सुबियांतो गणतंत्र दिवस में मुख्य अतिथि के तौर पर हिस्सा लेने वाले इंडोनेशिया के चौथे राष्ट्रपति हैं.

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने इंडोनेशियाई राष्ट्रपति का स्वागत किया. उन्होंने कहा कि भारत के पहले गणतंत्र दिवस के मौके पर इंडोनेशिया मुख्य अतिथि देश था. अब एक बार फिर यह हमारे लिए गर्व की बात है कि भारत के 76वें गणतंत्र दिवस के मौके पर इंडोनेशिया एक बार फिर इस ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा है. मैं भारत में राष्ट्रपति प्राबोवो सुबिआंतो का स्वागत करता हूं. पीएम मोदी ने कहा कि साल 2018 में मेरी इंडोनेशिया यात्रा के दौरान हमने अपनी साझेदारी को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के रूप में आगे बढ़ाया है. राष्ट्रपति प्राबोवो के साथ आपसी सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर व्यापक चर्चा हुई. रक्षा क्षेत्र में सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए हमने विनिर्माण और आपूर्ति में मिलकर काम करने का फैसला किया है. हमने समुद्री सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, आतंकवाद-निरोध और डी-रेडिकलाइजेशन में सहयोग पर भी जोर दिया.

क्लिनिकल ट्रायल में व्यक्ति की मौत

नई दिल्ली. सिंजेन इंटरनेशनल की ओर से आयोजित क्लिनिकल ट्रायल में शामिल एक व्यक्ति की मौत हो गई है। 33 वर्षीय यह शख्स बुधवार को जलाहल्ली में अपने भाई के घर पर मृत पाया गया। रिपोर्ट के अनुसार, मृतक की पहचान नागेश वीरन्ना के तौर पर हुई। उसके भाई ने दावा किया कि परीक्षण के दौरान दी गई दवाओं के दुष्प्रभाव के कारण मौत हुई है। नागेश के भाई का नाम रेवनासिद्दप्पा है, जो एक ड्राइवर के तौर पर काम करता है। उसने दावा किया कि ट्रायल में भाग लेने से पहले नागेश को पहले से कोई स्वास्थ्य समस्या नहीं थी। पिछले साल दिसंबर में नागेश को कुछ दिक्कत महसूस हुई। इसे देखते हुए उसे एक निजी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था। रेवनासिद्दप्पा ने कहा कि कंपनी की ओर से उनसे संपर्क किया और उन्हें तुरंत अस्पताल जाने के लिए कहा था। शिकायत में कहा गया कि नागेश को ट्रायल के दौरान गोलियां और इंजेक्शन दिया गया था। परीक्षण वाली दवाएं लेने के बाद उसके पेट में भयानक दर्द हुआ। इससे वह काफी परेशान था और दर्द से कराह रहा था। दोनों भाइयों ने रोज की तरह रात का खाना खाया और सोने चले गए। सुबह में जब रेवनासिद्दप्पा ने नागेश को जगाने का प्रयास किया,

आज फिर महाकुंभ पहुंचे सीएम योगी

प्रयागराज.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाकुंभ में पहुंचे हैं। उन्होंने अखिल भारतवर्षीय अवधूत भेष बारह पंथ योगी महासभा में भाग लिया। वह करीब पांच घंटे तक महाकुंभ में रहेंगे। सीएम योगी इस महासभा के अध्यक्ष भी हैं। इसके बाद वह कल्याण सेवा आश्रम के शिविर जाएंगे। दो बजे अरैल में एक न्यूज चैनल के कार्यक्रम में शामिल होंगे। तीन बजे सेक्टर 18 स्थित विहिप के शिविर में संत सम्मेलन में पहुंचेंगे। वह मौनी अमावस्या और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा भी लेंगे। 4:25 बजे लखनऊ रवाना होंगे।

महाकुंभ में इस समय मौनी अमावस्या (29 जनवरी) की तैयारियां जोरों पर हैं। मौनी अमावस्या महाकुंभ का सबसे बड़ा स्नान पर्व है। इस दिन आठ से दस करोड़ लोगों के संगम स्नान करने की उम्मीद जताई जा रही है। करोड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। इसके मद्देनज़र प्रयागराज रेल मंडल ने भी 150 से अधिक मेला स्पेशल ट्रेनें चलाने की योजना बनाई है।

पीएम मोदी 28 को भुवनेश्वर में व्यापार सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे

नई दिल्ली.

ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में आयोजित होने वाले उत्कर्ष ओडिशा – मेक इन ओडिशा कॉन्क्लेव 2025 की तैयारियां जोरों पर हैं. 28 और 29 जनवरी को होने वाले इस मेगा इवेंट का उद्घाटनप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे. इस कार्यक्रम में देश के कई उद्योगपति और अंतरराष्ट्रीय निवेशक भी शामिल होंगे. कॉन्क्लेव का उद्देश्य 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आकर्षित करना और 3.5 लाख से अधिक रोजगार के अवसर पैदा करना है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 जनवरी को सुबह 11 बजे इस कॉन्क्लेव का उद्घाटन करेंगे. यह एक महीने के भीतर पीएम मोदी का दूसरा ओडिशा दौरा है.

कॉन्क्लेव में पीएम मोदी और अन्य लोगों की उपस्थिति को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं. भुवनेश्वर-कटक पुलिस आयुक्त सुरेश देव दत्ता सिंह ने बताया कि निगरानी बढ़ा दी गई है और ट्रैफिक मैनेजमेंट, भीड़ नियंत्रण और प्रोटोकॉल सुनिश्चित करने के लिए व्यापक योजनाएं बनाई गई हैं. उन्होंने कहा कि हमने सुरक्षा आवश्यकताओं का आकलन कर पुलिस बल की तैनाती की है. यह सुनिश्चित करने के लिए चौबीस घंटे निगरानी जारी है कि सभी व्यवस्था सुचारू रूप से चले.

12 देशों के प्रतिनिधि पहुंचें ओडिशा

इस कार्यक्रम में भारत के प्रमुख उद्योगपति जैसे सज्जन जिंदल, नवीन जिंदल , अनिल अग्रवाल (वेदांता) और कुमार मंगलम बिड़ला (आदित्य बिड़ला ग्रुप) भाग लेंगे. इसके अलावा टाटा और रिलायंस जैसी प्रमुख कंपनियां भी शामिल होंगी. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया, जापान और जर्मनी समेत 12 देशों के प्रतिनिधि ओडिशा के निवेश अवसरों का पता लगाने के लिए यहां आएंगे.

हर सेक्टर में होगा निवेश

ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने राज्य को भारत की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल करने की महत्वाकांक्षा जताई है. पिछले छह महीनों में, ओडिशा ने 2.4 लाख करोड़ के निवेश को मंजूरी दी है. इस बार, कॉन्क्लेव का फोकस रोजगार सृजन करने वाले उद्योगों पर रहेगा, जिनमें हरित हाइड्रोजन, टेक्सटाइल्स, शिपबिल्डिंग, नवीकरणीय ऊर्जा और मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्र शामिल हैं.

शक्तिपीठ मार्ग रद्द करने की मांग

हिंगोली.कलमनुरी और वासमत तालुका तक जाने वाले शक्तिपीठ राजमार्ग के लिए भूमि अधिग्रहण के कारण किसान बर्बाद हो जाएंगे और किसानों की मांग है कि उक्त राजमार्ग को रद्द किया जाना चाहिए। 24 को दोपहर में कलेक्टर कार्यालय के सामने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की. उक्त हाईवे को निरस्त किया जाए अन्यथा इस समय जोरदार प्रदर्शन का आह्वान किया गया है।

पवनार से पात्रादेवी (नागपुर से गोवा) तक शक्तिपीठ राजमार्ग पर

सरकार ने निर्माण पर रोक लगा दे. इस राजमार्ग के लिए भूमि अधिग्रहण वसमत तालुका में गिरगांव, पलसगांव, पिंपलाचौरे, गुंज, रुंज, ऐसगांव, ताकलगांव, राजापुर, बभुलगांव, रेनकापुर, लोनबुद्रुक, हयातनगर, खुर्द के पास में किया जाएगा। इसके अलावा कलमनुरी तालुका के डोंगरकड़ा, भटेगांव, जामगावन, सुकलीवीर, पंचाल के पास, वास्फाल, महालिंगी, दाभाड़ी गांवों की जमीनें अधिग्रहित की जाएंगी। इस बीच, सभी क्षेत्रों में भूमि बागवानी होती है और गन्ना, केला और हल्दी की फसलें उगाई जाती हैं। लेकिन शक्ति पीठ राजमार्ग के कारण इन जमीनों को अत्यधिक कीमतों पर अधिग्रहित किया जाएगा और इससे हजारों किसान बर्बाद हो जाएंगे। शक्तिपीठ हाईवे को रद्द करने का वादा किया गया था.

फिर करवट लेगा मौसम

> इन राज्यों में फिर बारिश के साथ लौटेगी ठंड

नई दिल्ली. एनसीआर,उत्तर भारत समेत कई राज्यों में मौसम का मिजाज धीरे-धीरे बदलता नजर आ रहा है। जनवरी की कड़ाके की ठंड में चमचमाती धूप ने लोगों को थोड़ी राहत दी है। कई राज्यों में बीते दो दिनों से धूप की गर्माहट ने सर्द हवाओं और गलन को कम कर दिया है। हालांकि, उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब और हरियाणा के कई इलाकों में घने कोहरे ने लोगों को परेशानी में डाला हुआ है। इसके बावजूद धूप के चलते ठंड से लोगों को राहत मिल रही है। लेकिन आने वाले कुछ दिनों में मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। ऐसी आशंका जताई जा रही है कि हल्की बारिश के साथ ठंड का दौर एक बार फिर शुरू होगा।

हालांकि अगले चार दिनों 27 जनवरी तक देश के अधिकांश हिस्सों में मौसम साफ और सुहावना रहने की संभावना है। पर्वतीय क्षेत्रों के मध्य और ऊपरी हिस्सों को छोड़कर अन्य जगहों पर कड़ाके की ठंड रहेगी, लेकिन ताजा बर्फबारी नहीं होगी। बाकी स्थानों पर सर्दियों के खुशनुमा दिन रहेंगे। खासकर राजस्थान और उत्तरी मैदानों में सर्दी के दौरान आरामदायक मौसम का आनंद लिया जा सकेगा। निजी मौसम पूर्वानुमान एजेंसी स्काईमेट वेदर का कहना है कि, जनवरी का आखिरी सप्ताह देश के लिए कड़ाके की सर्दी वाला होता है। देश का उत्तरी भाग अक्सर पश्चिमी विक्षोभ और उससे जुड़ी प्रणालियों से प्रभावित रहते हैं। हालांकि, इस समय क्षेत्र में कोई सक्रिय प्रणाली मौजूद नहीं है। पिछले सप्ताह के मध्य में हल्की बारिश लाने वाला विक्षोभ अब क्षेत्र से निकल चुका है। इसके पीछे का ठंडा प्रभाव पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में न्यूनतम तापमान को एक अंक में बनाए हुए है। हल्के से मध्यम कोहरे और सामान्य ठंड के अलावा इस दौरान कोई दूसरी मौसम गतिविधि होने की उम्मीद नहीं है।

रिफाइनरी में लगी आग

नई दिल्ली.

सूडान में सेना और विद्रोही समूह रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के बीच जारी गृह युद्ध के बीच बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां देश की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी अल-जैली में हमलों के कारण आग लग गई। इस बात का खुलासा सैटेलाइट द्वारा ली गई तस्वीर से हुआ। अल-जैली में आग लगने से राजधानी खार्तूम में चारों आरो धुंआ फैल गया है। यह रिफाइनरी कंपनी सूडान सरकार और चाइना नेशनल पेट्रोलियम कॉर्प (सीएनपीसी) की साझेदारी में है। अल-जैली रिफाइनरी राजधानी खार्तूम से लगभग 60 किलोमीटर उत्तर में स्थित है। रिफाइनरी पहले भी हमलों का शिकार हो चुकी है क्योंकि आरएसएफ ने अप्रैल 2023 से इस सुविधा पर नियंत्रण का दावा किया है और उनके बल इसकी रखवाली कर रहे थे। वहीं मामले में मीडिया रिपोर्ट की माने तो आरएसएफ ने रिफाइनरी को बारूदी सुरंगों से घेर दिया है, ताकि आगे बढ़ने की गति धीमी हो सके।

साथ ही मामले में शुक्रवार को प्लैनेट लैब्स पीबीसी द्वारा ली गई उपग्रह तस्वीरों में रिफाइनरी के बड़े हिस्से में आग लगी हुई दिखी। जिससे धुएं का काला गुबार आसमान में फैल गया। यह काला धुआं हवा के साथ खार्तूम की ओर दक्षिण की तरफ बढ़ रहा था। गौरतलब है कि विद्रोही समूह आरएसएफ ने अप्रैल 2023 में रिफाइनरी पर कब्जा कर लिया था। वे उसे बारूदी सुरंगो से घेरखर रक्षा कर रहे थे।

सेना ने किया 'आकाश मिसाइल' का सफल परीक्षण

नई दिल्ली. ओडिशा के गोपालपुर सीवर्ड फायरिंग रेंज में भारतीय सेना के चेतक कोर के वायु रक्षा योद्धाओं ने दिन और रात के समय लक्ष्य बनाकर कम ऊंचाई और अधिकतम सीमा पर सटीकता के साथ आकाश मिसाइल से फायरिंग की। दक्षिण पश्चिमी सेना कमान ने कहा कि सटीक फायरिंग भारतीय सेना की सेना वायु रक्षा कोर की परिचालन तत्परता और अत्याधुनिक क्षमताओं का उदाहरण है। आकाश मिसाइल एक साथ चार निशानों को तबाह करने की ताकत रखता है। आत्मनिर्भर भारत पहल को बढावा देने के लिए आकाश मिसाइल प्रणाली को रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन(डीआरडीओ) द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया गया है। यह डीआरडीओ द्वारा निर्मित एक मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है। इसे इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलपमेंट प्रोग्राम (आईजीएमडीपी) के तहत विकसित किया गया था, जिसमें नाग, अग्नि और त्रिशूल मिसाइल और पृथ्वी बैलिस्टिक मिसाइल का विकास भी शामिल था। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के अनुसार, भारत दुनिया का पहला देश है जिसके पास आकाश मिसाइल जैसी तकनीक और ताकत है।

उद्धव का साथ छोड़ने की तैयारी?

मुंबई.

शिवसेना उद्धव ठाकरे में एक बार फिर दरार की आशंका उभरने लगी है। बताया जा रहा है कि शिवसेना-यूबीटी के कई नेता शिंदे गुट के साथ जुड़ने की तैयारी में हैं। अगर ऐसा हुआ तो फिर यह उद्धव ठाकरे के लिए बहुत बड़ा झटका होगा। हालांकि उद्धव ठाकरे का दावा है कि उनकी पार्टी का कोई भी नेता उन्हें छोड़कर नहीं जा रहा है। लेकिन इस दावे की पोल हाल ही में खुल गई। असल में बाला साहेब ठाकरे की पुण्यतिथि पर हुए कार्यक्रम से कई नेताओं, विधायकों और सांसदों ने दूरी बनाकर रखी। इसके बाद ही शिवसेना-यूबीटी को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

यह नेता नहीं पहुंचे

शिवसेना यूबीटी ने यह कार्यक्रम अंधेरी में आयोजित किया था। लेकिन इस कार्यक्रम में पार्टी विधायक, दिलीप सोपल, राहुल पाटिल, बाबाजी काले के साथ-साथ सांसद संजय देशमुख, नागेश पाटिल अश्तिकार, बंधु जाधव, ओम राजे निंबालकार और संजय दीना पाटिल भी नहीं पहुंचे। इसके अलावा पूर्व विधायक राजन साल्वी और वैभव नाइक भी कार्यक्रम में नहीं थे। साल्वी को लेकर अफवाहों का दौर तेज है कि वह यूबीटी छोड़कर शिंदे शिवसेना ज्वॉइन करने जा रहे हैं। साल्वी ने भी इन अफवाओं का खंडन नहीं किया है। शिवसेना और भाजपा दोनों तरफ से उन्हें अपने साथ लाने की कोशिश चल रही है।

संजय राउत ने दी सफाई

इस बीच यूबीटी नेताओं का कहना है कि इनमें से तमाम नेताओं को अन्य कार्यक्रमों में शामिल होना था। उन्होंने पार्टी को पहले ही बता दिया था कि वह इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सकते। पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने भी इस मामले में बयान जारी किया है। उन्होंने कहाकि जो लोग पार्टी नेताओं की अनुपस्थिति पर सवाल उठा रहे हैं वह शिवसेना को जानते ही नहीं हैं। राउत ने कहाकि यह कार्यक्रम मुंबई के लिए था, इसलिए प्रदेश के अन्य नेताओं ने इसमें हिस्सा नहीं लिया।

इस बीच शिवसेना नेता और उद्योग मंत्री उदय सामंत ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहाकि आने वले दिनों में यूबीटी कैंप में बड़ी भगदड़ मचने वाली है। कई बड़े नेता शिवसेना की तरफ आने वाले हैं। सामंत ने यह भी दावा किया कि चार यूबीटी विधायक और तीन सांसद जल्द ही शिवसेना से जुड़ सकते हैं। इतना ही नहीं, सामंत ने यह भी कहा है कि चार कांग्रेस विधायक भी शिंदे शिवसेना का दामन पकड़ने वाले हैं।

दो युवतियों की हृदयविदारक मौत

> हिंजवाडी में अत्यंत भयंकर दुर्घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है

>सीमेंट मिक्सर-ट्रक से कुचलकर दो लड़कियों की हुई मौत

पुणे. पुणे के हिंजवाडी में एक सीमेंट मिक्सर ट्रक दुर्घटना में दो कॉलेज उम्र की लड़कियों की मौत हो जाने की घटना सामने आई है। इस बीच इस भयानक हादसे का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है. घटना कल (24 जनवरी) दोपहर 3.30 बजे हिंजेवाड़ी में हुई। इस घटना के संबंध में एक सीमेंट मिक्सर ट्रक चालक को गिरफ्तार किया गया है।

मृत लड़कियों का नाम प्रांजलि यादव और अश्लेषा गावंडे है। प्रांजलि बीसीए तृतीय वर्ष और अश्लेषा एमसीए प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रही थी। इस घटना के सिलसिले में ड्राइवर अमोल वाघमारे को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक, दोपहर करीब 3.30 बजे हिंजवडी के साखरे-पाटिल चौक पर एक भारी सीमेंट मिक्सर ट्रक अचानक पलट गया. इस हादसे में बाइक सवार दो लड़कियां सीधे ट्रक के नीचे आ गईं. जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी. जब प्रांजलि यादव और अश्लेषा गावंडे अपने दोपहिया वाहन पर चौक से गुजर रही थीं.

सहमति से किया गया सेक्स कपटपूर्ण नहीं हो सकता

पुणे. जिला एवं सत्र न्यायाधीश संगीता पहाड़े ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि दो वयस्कों के बीच सहमति से यौन संबंध स्थापित किए जाते हैं, तो इसे भारतीय दंड संहिता की धारा 69 के तहत धोखे से यौन शोषण नहीं माना जा सकता है। इस मामले में, एड. हर्षल सुनील पाटिल, एड. सूरज सूर्यकांत माडेवाड, एड. रंजीत डी. सालुंके ने जमीन की अर्जी दाखिल की थी. इस मामले में, एड. हर्षल सुनील पाटिल ने बहस करते हुए कहा कि तलाकशुदा पीड़िता और इस अपराध के आरोपी की पहचान फेसबुक के जरिए हुई थी.

वाल्मिक कराड गिरफ्तार, लेकिन एसी आईसीयू में सो रहा!

बीड़. संतोष देशमुख हत्याकांड के आरोपी वाल्मीक कराड को बुधवार रात पेट में दर्द होने के बाद इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था. वाल्मीक कराड का फिलहाल सेमी आईसीयू में इलाज चल रहा है. विधायक जीतेंद्र आव्हाड ने इसकी आलोचना की.

NAGPUR MUNICIPAL CORPORATION
Offline Tender Notice

Commissioner, NMC invites Offline tenders for the below mentioned works.

Tender ID No.	Name of the work	Estimated Cost
1	नागपूर महानगरपालिका शाळांच्या शिक्षणोत्सव अंतर्गत क्रिडा, सांस्कृतिक स्पर्धेतील विजेता / उपविजेता यांचेकरीता मोमेन्टो व मेडल्स खरेदी करण्याबाबत.	Rs. 10,00,000
2	शैक्षणिक सत्र 2024-25 करीता नागपूर महानगरपालिका शाळांचा शिक्षणोत्सव कार्यक्रमा करीता डेकोरेशन, बिछायत व केटरींग व्यवस्था करण्याबाबत.	Rs. 10,00,000
3	शैक्षणिक सत्र 2024-25 करीता नागपूर महानगरपालिका शाळांच्या शिक्षणोत्सव कार्यक्रमा करीता क्रीडा स्पर्धेत सहभागी विद्यार्थ्यांना टी-शर्ट व लोअर पुरविण्याबाबत.	Rs. 10,00,000
4	शैक्षणिक सत्र 2024-25 करिता नागपूर महानगरपालिका माध्यमिक शाळा व कनिष्ठ महाविद्यालया करिता विज्ञान विषयाचे साहित्य पुरविण्याबाबत.	Rs. 10,00,000

Note: 1) Cost of Tender Form : **Rs. 560. 2)** Tender Sale Start Date : **From 23-01-2025. 3)** Tender Submission Start Date : **From 27-01-2025. 4)** Tender Submission End Date : **27-01-2025** upto **12.00 pm 5)** Tender Opening Date : **27-01-2025** from **1.00 pm**

Advt No : 927/PR,
Dt : 24/01/2025

Education Officer,
N.M.C., Nagpur